सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 147 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार 2 जुलाई, 2025
मूल्य ₹ 3/-

मैं सही निर्णय लेने में विश्वास नहीं करता। मैं निर्णय लेता हूँ और फिर उन्हें सही साबित कर देता हूँ।

-रतन टाटा

भारत ने टी20 सीरीज में 2-0 की... 7 | समाजवादी व पंथनिरपेक्ष शब्दों... 3 | पंचायत चुनाव में अकेले ही दम... 2

आरएसएस पर बैन लगाने के बयान से देश में सियासी बमचक

» बीजेपी ने पलटवार कर कहा- हश्र भुगतेगी कांग्रेस

» आरएसएस पर प्रतिबंध लगाकर इंदिरा गांधी ने अपना हाल देख लिया था, ये भी देखेंगे : गिरिराज सिंह

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के पुत्र प्रियांक खरगे जोकि कर्नाटक सरकार में कैबिनेट मिनिस्टर भी है के एक बयान से देश की राजनीति लाल हो गयी है। प्रियांक ने बयान दिया है कि यदि कांग्रेस दोबारा केंद्र की सत्ता में आती है तो वह कानूनी प्रक्रिया के तहत संघ पर राष्ट्रव्यापी प्रतिबंध लगाएगी।

यह बयान ऐसे वक्त में आया है जब लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पहले ही कई बार संघ पर तीखे हमले कर चुके हैं और संघ पर देश को धार्मिक आधार पर विभाजित करने का आरोप लगाते रहे हैं। मगर अब प्रियांक खरगे के इस प्रतिबंध प्रस्ताव ने सियासी विमर्श को और तीखा कर दिया है। बीजेपी ने इस बयान पर पलटवार करते हुए कहा है कि संघ पर प्रतिबंध लगाने का हश्र पूर्व पीएम इंदिरा गांधी भुगत चुकी है अब यह भुगतेगें।

क्यों नहीं होती संघ की जांच?

प्रियांक खरगे ने सरकार पर जांच एजेंसियों के दुरुपयोग का भी आरोप लगाया। उन्होंने सवाल उठाया कि केंद्रीय एजेंसियां जैसे ईडी और आईटी सिर्फ विपक्षी नेताओं के खिलाफ क्यों सक्रिय हैं? आरएसएस को मिलने वाला पैसा कहां से आ रहा है उसकी आय का स्रोत क्या है। इसकी कभी जांच क्यों नहीं होती? उन्होंने यह भी जोड़ा कि संघ के कई कार्यकर्ता बार-बार विवादित बयान देकर बच निकलते हैं जिसे अब रोका जाना चाहिए।

आरएसएस पर लगाएंगे पूर्ण प्रतिबंध : कांग्रेस

तीन बार पहले भी लग चुका है संघ पर प्रतिबंध

1948 में महात्मा गांधी की हत्या के बाद, जब नाथूराम गोडसे की संघ से कथित संबद्धता को लेकर संघ पर करीब 18 महीने तक प्रतिबंध लगा।

1975 में आपातकाल के दौरान इंदिरा गांधी सरकार ने विपक्षी आंदोलनों में भागीदारी के चलते संघ को प्रतिबंधित किया।

1992 में अयोध्या में बाबरी मस्जिद विध्वंस के बाद तीसरी बार संघ पर पाबंदी लगी जो लगभग छह महीने चली।

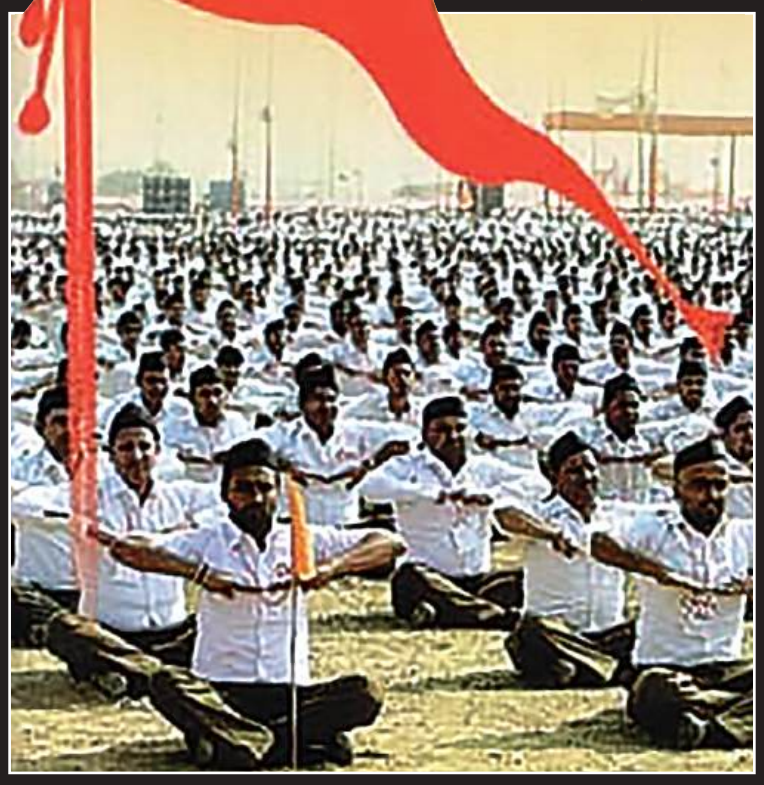

संघ समाज में सांप्रदायिकता फैला रहा है : प्रियांक

प्रियांक खरगे ने संघ पर समाज में सांप्रदायिकता फैलाने का आरोप लगाते हुए सवाल पूछा है कि आज देश में नफरत कौन फैला रहा है? कौन संविधान बदलने की बात कर रहा है? और कौन सांप्रदायिक हिंसा के लिए जिम्मेदार है? संघ अगर राजनीति से अलग है तो वह बीजेपी से यह क्यों नहीं पूछता कि बेरोजगारी क्यों बढ़ रही है या कश्मीर में आतंकी घटनाएं कैसे हो रही हैं? उन्होंने स्पष्ट किया कि सत्ता में आने के बाद उनकी पार्टी कानून के अनुसार कार्रवाई करते हुए संघ पर प्रतिबंध लगाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि आरएसएस से जुड़े लोगों को नफरत भरे भाषणों और संविधानविरोधी बयानों पर जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए।

एक्स पर प्रियांक ने पोस्ट किया

प्रियांक खरगे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा है कि विश्वास कीजिए जिस दिन मुझे पर्याप्त शक्ति मिलेगी मैं आरएसएस की जहरीली राष्ट्र-विरोधी मशीनरी को नष्ट करने के लिए हर संवैधानिक टूल का इस्तेमाल करूंगा।

लोगों के हित के लिए काम करता है संघ : गिरिराज सिंह

कर्नाटक में प्रियांक खरगे के दिये गये बयान पर पलटवार करते हुए केंद्रीय मंत्री और भाजपा के नेता गिरिराज सिंह ने कहा है कि संघ को कभी इंदिरा गांधी ने भी बैन किया था। उन्होंने अपना हश्र देखा लिया था। ये लोग भी यदि ऐसा करने की सोच रहे हैं तो यह लोग भी अपना हश्र देख लेंगे। उन्होंने कहा कि आरएसएस दुनिया में ऐसा संगठन है जो लोगों के हित के लिए काम करता है। 1971 के युद्ध में आरएसएस ने लोगों की मदद की थी। जब बाढ़ आती है या आपदा की स्थिति होती है तो आरएसएस के लोग सहयोग करते हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उन्हें नहीं पता होगा कि आरएसएस क्या है।

प्रमुख मुद्दों से भाग रहे हैं पीएम : जयराम रमेश

कांग्रेस पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री की पांच देशों की विदेश यात्रा शुरू होने से पहले उन पर निशाना साधा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2 से 9 जुलाई तक पांच देशों की यात्रा पर जाएंगे। प्रधानमंत्री का आठ दिवसीय दौरा, जो 9 जुलाई तक चलेगा, दो महाद्वीपों को कवर करेगा और इसमें घाना, त्रिनिदाद और टोबैगो, अर्जेंटीना, ब्राजील और नामीबिया की यात्राएँ शामिल हैं, जिसका समापन 6 और 7 जुलाई को रियो डी जेनेरियो में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में होगा। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विदेश दौरे को लेकर आरोप लगाया कि वह मणिपुर हिंसा समेत देश को आंदोलित करने वाले प्रमुख मुद्दों से भाग रहे हैं। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री की पांच देशों की विदेश यात्रा शुरू होने से पहले उन पर निशाना साधा। रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, जब हालात कठिन हो जाते हैं, तो स्व-घोषित कठिनाइयां भी बढ़ जाती हैं।

सुपर प्रीमियम फ्रीक्वेंट फ्लायर प्रधानमंत्री पांच देशों की आठ दिवसीय यात्रा पर हैं। उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री देश को आंदोलित करने वाले कम से कम चार मुद्दों से भाग रहे हैं। कांग्रेस नेता ने कहा, मणिपुर में डबल इंजन के पटरी से उतरने और सामान्य जनजीवन पूरी तरह से तबाह होने के बाद से (प्रधानमंत्री ने) कभी वहां का दौरा नहीं किया। रमेश ने दावा किया कि रक्षा अधिकारियों का खुलासा चौंकाने वाला है कि प्रधानमंत्री के फैसलों के कारण ऑपरेशन सिंदूर के पहले दो दिनों में भारत को हार का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगातार दावा किया गया कि उन्होंने व्यापार समझौते का उपयोग करके भारत और पाकिस्तान के बीच युद्धविराम कराया। 70 दिनों के बाद भी पहलगाम हमले के आतंकवादियों को न्याय के कटघरे में नहीं लाया जा सका है।

पंचायत चुनाव में अकेले ही दम भरेगी कांग्रेस

» पार्टी ने गांव स्तर पर शुरू की तैयारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस और सपा का गठबंधन आने वाले पंचायत के त्रिस्तरीय चुनावों में नहीं दिखेगा। कांग्रेस और सपा की राहें इसमें अलग-अलग हो सकती हैं। कांग्रेस ने इसको लेकर संकेत भी दे दिए हैं। अगर सब कुछ पार्टी की सोच के मन मुताबिक हुआ तो कांग्रेस पंचायत चुनाव में अकेले मैदान में उतरेगी। ऐसे में वह न सिर्फ संगठनात्मक ढांचा दुरुस्त कर रही है, बल्कि जनहित के मुद्दों को लेकर निरंतर सड़क पर उतरकर प्रदर्शन कर रही है। अब पार्टी की ओर से सभी जिलों में शपथ ग्रहण समारोह आयोजित करने की तैयारी है।

कांग्रेस ने 133 जिला व शहर अध्यक्षों की घोषणा कर दी है। करीब 40 जिला व शहर की कार्यकारिणी घोषित हो चुकी है। अन्य जिलों और शहर की जल्द ही कार्यकारिणी घोषित होने की उम्मीद है। पार्टी की रणनीति है कि पंचायत चुनाव में माहौल बनाने के लिए जिला व शहर इकाई का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया जाए।

तीन से सात जुलाई के बीच घोषित जिला व शहर कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह होगा। इसमें पार्टी के सांसद, पूर्व सांसद, पूर्व विधायक सहित अन्य वरिष्ठ नेता हिस्सा लेंगे। शपथ ग्रहण के बाद इन जिलों में विधानसभा क्षेत्र और ब्लॉक स्तरीय कमेटियां गठित की जाएंगी। फिर उनका भी शपथ ग्रहण होगा। प्रयास है कि 15 अगस्त तक सभी बूथ कमेटियों का गठन पूरा कर लिया जाए।

आरक्षण नियमों को दरकिनार कर हो रही शिक्षकों की भर्ती : तनुज पुनिया

» कांग्रेस सांसद ने केजीएमयू कुलपति के खिलाफ खोला मोर्चा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस के बाराबंकी सांसद तनुज पुनिया ने केजीएमयू कुलपति प्रो. सोनिया नित्यानंद के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर आरोप लगाया है कि आरक्षण नियमों को दरकिनार कर शिक्षकों की भर्ती की गई।

यह भी आरोप लगाया कि कुलपति ने केजीएमयू ही नहीं, बल्कि लोहिया संस्थान के निदेशक रहने के दौरान भी गड़बड़ियां की हैं। उन्होंने पूरे मामले की जांच कराने की मांग की है। मुख्यमंत्री कार्यालय ने यह पत्र चिकित्सा शिक्षा विभाग को भेज दिया है। विभाग ने मामले में आख्या तलब की है। इस संबंध में कुलपति प्रो. सोनिया नित्यानंद का पक्ष जानने के लिए फोन किया गया, लेकिन उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। केजीएमयू के प्रवक्ता डॉ. केके सिंह का फोन आया। उन्होंने कुलपति का पक्ष रखते हुए सभी आरोपों को निराधार बताया। कहा कि शिक्षकों की भर्ती नियमों के तहत की गई है। इस पर अलग-अलग कमेटियां सुझाव दे चुकी हैं। उसी के तहत नियुक्ति हुई है।

कार्यकर्ता ही संगठन की असली ताकत : किशोरी लाल

» सांसद बोले- गांव-गांव तक पहुंचने का संकल्प

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अमेठी। गौरीगंज स्थित कांग्रेस कार्यालय में को जिला कांग्रेस कमेटी की मासिक बैठक संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष प्रदीप सिंघल ने की, जबकि मुख्य अतिथि सांसद किशोरी लाल शर्मा रहे। उन्होंने नवनियुक्त पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए सभी को शुभकामनाएं दीं और संगठन के प्रति निष्ठा व ईमानदारी से कार्य करने का आह्वान किया।

सांसद किशोरी लाल ने कहा कि कांग्रेस केवल एक दल नहीं, एक विचारधारा है, जिसे बूथ स्तर तक पहुंचाना हर कार्यकर्ता का दायित्व है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों से जनसमस्याओं को लेकर सजग रहते हुए संगठन को मजबूत करने की बात कही। उनका कहना था कि जमीनी स्तर पर सक्रिय कार्यकर्ता ही पार्टी की रीढ़ होते हैं। बैठक में जिलाध्यक्ष प्रदीप सिंघल ने कहा कि संगठन को मजबूत बनाने के लिए नई कार्यकारिणी पूरी जिम्मेदारी से काम करेगी।

जो भी दायित्व सौंपा गया है, उसे समय पर और निष्ठा से पूरा किया जाएगा। बैठक के दौरान जिला कांग्रेस कमेटी की नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई, जिसमें युवाओं, महिलाओं और अनुभवी कार्यकर्ताओं को प्रतिनिधित्व दिया गया है। कार्यकारिणी में 13 उपाध्यक्ष, 12 महासचिव और 41 सचिव शामिल हैं। अनिल सिंह को जिला प्रवक्ता, मोहम्मद आसिफ को कोषाध्यक्ष और फिरोज आलम को मीडिया चेयरमैन बनाया गया है। मीडिया कोऑर्डिनेटर फिरोज आलम ने बताया कि नई कार्यकारिणी के गठन से संगठन का ढांचा और मजबूत हुआ है। आने वाले दिनों में कांग्रेस ग्राम स्तर तक सशक्त उपस्थिति दर्ज कराएगी। बैठक में सभी 69 नवनियुक्त पदाधिकारी मौजूद रहे।

पंचायत चुनाव में उतरेगी आजादी समाज पार्टी

आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) ने भी पंचायत चुनाव में दमदारी से उतरने की तैयारी तेज कर दी है। प्रदेश अध्यक्ष सुनील कुमार चित्तौड़ ने इसे लेकर बैठक की। साथ ही निर्देश दिए कि आगामी पंचायत चुनाव को देखते हुए जल्द से जल्द वार्ड स्तर तक संगठन को मजबूत करने का काम करें। प्रदेश के सभी मुख्य मंडल प्रभारी, मंडल प्रभारी और मंडल प्रभारी भाईचारा के पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक में उन्होंने आगामी चुनावों के लिए निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता अभियान चलाकर ज्यादा से ज्यादा प्रबुद्धजनों को पार्टी से जोड़ें। भाईचार कमेटियों का भी गठन करें। इसके साथ ही प्रयागराज जैसी घटना पर पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को अनावश्यक बयानबाजी से बचने का भी सुझाव दिया।

पंजाब को लुटेरों के सामने रख दिया : सुखबीर सिंह बादल

» शिअद नेता बोले- सीएम मान ने दिल्ली के लोगों को सौंपा जमीन अधिग्रहण का जिम्मा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। शिरोमणि अकाली दल (शिअद) अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने पंजाब सरकार और मुख्यमंत्री भगवंत मान पर गंभीर आरोप लगाते हुए जमकर हमला बोला है। सुखबीर बादल ने कहा कि मुख्यमंत्री मान ने राज्य के हितों की रक्षा करने के बजाय पंजाब को लुटेरों के सामने रख दिया है।

शिरोमणि अकाली दल पंजाब में हो रही लूट को बर्दाश्त नहीं करेगा। शिअद अध्यक्ष सुखबीर बादल ने कहा कि इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ है कि पंजाब की डेपलपमेंट के लिए जो कमेटी बनाई गई है। उसमें न तो मुख्यमंत्री हैं और न ही किसी मंत्री को सदस्य बनाया गया है। हैरान कर देने वाली बात यह है कि इस पांच सदस्यीय कमेटी में पंजाब चीफ सेक्रेटरी को मेंबर बनाया गया है, जबकि इस कमेटी में सीएम या मिनिस्टर होना चाहिए था। वहीं चीफ सेक्रेटरी के अलावा जो चार अन्य सदस्य हैं वे पंजाब के नहीं हैं बल्कि दिल्ली के लोगों के कमेटी में मेंबर बनाया गया है। सुखबीर बादल ने कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार की तरफ से 1995 के राज्य जमीन अधिग्रहण अधिनियम के तहत किसानों की जमीनें जबरदस्ती कौड़ी के भाव पर अधिग्रहित की जाने की योजना है। सरकार का इरादा अपना खजाना भरने का है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

सभी धर्मों को समान मानना ही सच्ची धर्मनिरपेक्षता : गडकरी

» बोले- हिंदुत्व किसी धर्म के खिलाफ नहीं है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नागपुर। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि सच्ची धर्मनिरपेक्षता सभी धर्मों के साथ समान व्यवहार करने में निहित है और हिंदुत्व किसी भी धर्म के खिलाफ नहीं है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व अध्यक्ष ने यह भी कहा कि उनकी पार्टी का मानना है कि किसी व्यक्ति का महत्व उसकी जाति, धर्म या लिंग से नहीं, बल्कि उसके मूल्यों व चरित्र से निर्धारित होता है।

गडकरी ने यहां एक समारोह में पार्टी कार्यकर्ताओं से समाज सुधारकों ज्योतिबा फुले, शाहू महाराज और डॉ बी. आर. आंबेडकर के सामाजिक-आर्थिक समानता के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। हिंदुत्व कोई संकीर्ण शब्द नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने हिंदुत्व को जीवन जीने का तरीका बताया है। धर्म का मतलब कर्तव्य है। एक शिक्षक कहता है कि मैं शिक्षक का धर्म मानता हूं, एक पत्रकार कहता है कि मैं पत्रकार का धर्म मानता हूं। यहां हिंदुत्व राष्ट्रवाद है, हिंदुत्व भारतत्व है। आने वाले समय में हिंदुत्व किसी धर्म के खिलाफ नहीं है, जिस धर्मनिरपेक्षता का प्रचार किया जाता है उसका मतलब धर्मनिरपेक्षता कहा जाता है, लेकिन सही मायने में धर्मनिरपेक्ष शब्द का मतलब सभी धर्मों के बीच सद्भाव है। हमने समानता के आधार पर, सद्भाव के आधार पर संकल्प लिया है। हमारी राजनीति विकास की राजनीति है। हम पानी, उद्योग, कृषि, उद्योग आदि सभी क्षेत्रों में उड़ान भरना चाहते हैं।

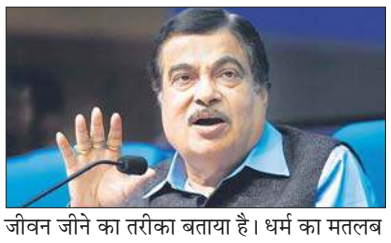

रवींद्र चव्हाण बने भाजपा की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष

इस समारोह में महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री रवींद्र चव्हाण को सर्वसम्मति से भाजपा की महाराष्ट्र इकाई का नया अध्यक्ष चुना गया। उन्होंने कहा, हिंदुत्व किसी भी धर्म के खिलाफ नहीं है। सच्ची धर्मनिरपेक्षता सभी धर्मों के साथ समान व्यवहार करने में निहित है। उन्होंने कहा, हमें समाज से अस्पृश्यता और जातिवाद को पूरी तरह से खत्म करने की दिशा में काम करना चाहिए। फुले, शाहू महाराज और डॉ. आंबेडकर द्वारा निर्धारित सामाजिक व आर्थिक समानता के लक्ष्य केवल बयानबाजी तक सीमित नहीं रहने चाहिए। हमें उन्हें कार्रवाई के माध्यम से प्रदर्शित करना चाहिए।

अमरनाथ यात्रा में बेहतर इंतजाम और कड़ी सुरक्षा होगी : सीएम उमर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू और कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सोमवार को एसकेआईसीसी में कहा कि हमें और कश्मीरियों को बाबा बर्फानी के भक्तों का इंतजार है। यात्रियों के लिए बेहतर इंतजाम किए गए हैं। हमारी दुआ है कि भक्तों की यात्रा सफल हो और वह सुरक्षित अपने घरों की ओर लौटें।

उमर ने कहा, हमने तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की हैं। एलजी ने दो बैठकों की अध्यक्षता की, एक राजनीतिक दलों के साथ और दूसरी नागरिक समाज के साथ। सभी आवश्यक सुरक्षा व्यवस्थाएं की गई हैं, और हम तीर्थयात्रियों के आने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। यात्रा 2 जुलाई को जम्मू से रवाना होगी, और उनका यहां स्वागत किया जाएगा हम दुआ करते हैं कि यात्रा सफल हो, तीर्थयात्री बड़ी संख्या में आएं, प्रार्थना करें और सुरक्षित वापस जाएं। यात्रा आधिकारिक तौर पर 3 जुलाई को बालटाल और पहलगाम दोनों मार्गों से शुरू होगी। अमरनाथ यात्रा से पहले, सीआरपीएफ (केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल) ने तीर्थयात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक मजबूत बहुस्तरीय सुरक्षा योजना शुरू की है। जम्मू-श्रीनगर राजमार्ग हजारों तीर्थयात्रियों के लिए महत्वपूर्ण मार्गों में से एक है।

समाजवादी व पंथनिरपेक्ष शब्दों को हटाने की मांग पर भड़का विपक्ष

होसबोले के बयान पर पूरे देश में घमासान

- सोशल मीडिया पर आ रही है मिलीजुली प्रतिक्रिया
- आरएसएस का नकाब फिर से उतर गया : राहुल गांधी
- नेता प्रतिपक्ष ने संघ और भाजपा पर साधा निशाना
- बोले नेता- संघ ने कभी संविधान को स्वीकार नहीं किया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आरएसएस के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले की तरफ से संविधान की प्रस्तावना में शामिल समाजवादी और पंथनिरपेक्ष शब्दों को हटाने की मांग पर राजनीति तेज हो गई है। कांग्रेस समेत तमाम दलों के नेताओं ने इस पर गुस्सा जाहिर किया। वहीं अब कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने संघ और भाजपा पर हमला बोला है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में लिखा- आरएसएस का नकाब फिर से उतर गया।

संविधान इन्हें चुभता है क्योंकि वो समानता, धर्मनिरपेक्षता और न्याय की बात करता है। उधर आमजन भी इसको लेकर सोशल मीडिया पर सक्रिय हो गया है। इस पर लोगों की मिलीजुली प्रतिक्रिया आ रही है। हालांकि ज्यादा संख्या उन लोगों की है जो इसको हटाने के पक्ष में नहीं हैं। वहीं कांग्रेस पार्टी ने शुक्रवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की आलोचना की, जिसने भारतीय संविधान की प्रस्तावना में समाजवाद और धर्मनिरपेक्ष शब्दों को शामिल करने पर पुनर्विचार करने का आह्वान किया था। पार्टी ने आरोप लगाया कि आरएसएस ने बाबासाहेब अंबेडकर के संविधान को कभी स्वीकार नहीं किया और उनकी मांग इसे नष्ट करने की साजिश का हिस्सा है। विपक्षी पार्टी ने यह भी कहा कि आरएसएस का सुझाव हमारे संविधान की आत्मा पर जानबूझकर किया गया हमला है।

संघ व बीजेपी को संविधान नहीं, मनुस्मृति चाहिए : राहुल गांधी

उन्होंने आरएसएस-भाजपा पर आरोप लगाते हुए कहा कि उनको संविधान नहीं, मनुस्मृति चाहिए। ये बहुजनों और गरीबों से उनके अधिकार छीनकर उन्हें दोबारा गुलाम बनाना चाहते हैं। संविधान जैसा ताकतवर हथियार उनसे छीनना इनका असली एजेंडा है। राहुल गांधी ने आगे चेतावनी देते हुए कहा- आरएसएस ये सपना देखना बंद करे - हम उन्हें कभी सफल नहीं होने देंगे। हर देशभक्त भारतीय आखिरी दम तक संविधान की रक्षा करेगा। संविधान इन्हें चुभता है क्योंकि वो समानता, धर्मनिरपेक्षता और न्याय की बात करता है।

अपने एजेंडे को लाना चाहती है भाजपा : सिद्धारमैया

कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया ने एक्स पर लिखा कि आरएसएस ने हमेशा हमारे संविधान के मूल मूल्यों - धर्मनिरपेक्षता और समाजवाद का विरोध किया है। अब, उनके नेता एक बार फिर कह रहे हैं कि इन शब्दों को प्रस्तावना से हटा दिया जाना चाहिए। यह कोई आकस्मिक टिप्पणी नहीं है - यह भारत के लोकतंत्र को उनकी वैचारिक छवि में नया रूप देने के लंबे समय से चले आ रहे एजेंडे का हिस्सा है।

होसबले का बयान खतरनाक संकेत : गहलोत

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने एक बार फिर भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर संविधान विरोधी मानसिकता रखने का आरोप लगाते हुए उन्हें कठघरे में खड़ा किया है। गहलोत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबले के संविधान की प्रस्तावना में बदलाव संबंधी बयान को संविधान विरोधी सोच का खुला प्रमाण बताया। गहलोत ने लिखा कि पिछले दो दिन से संविधान की रक्षक होने का नाटक कर रही संघ- बीजेपी की असली मंशा दत्तात्रेय होसबले के बयान से सामने आ गई है। इन संगठनों का उद्देश्य हमेशा से संविधान को बदलना रहा है। अब ये सुप्रीम कोर्ट से ऊपर स्वयं को मानकर ऐसे बयान दे रहे हैं जो न्यायपालिका की अवमानना की श्रेणी में आते हैं। गहलोत ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की संविधान बचाओ मुहिम को उचित ठहराते हुए कहा कि संघ- बीजेपी की सोच और प्रयास संविधान के मूल स्वरूप को बदलने के हैं। उन्होंने याद दिलाया कि सुप्रीम कोर्ट ने 1973 में केशवानंद भारती बनाम केरल राज्य मामले में स्पष्ट किया था कि पंथनिरपेक्षता और समाजवाद भले ही मूल संविधान में लिखित नहीं थे, लेकिन वे संविधान के मूल ढांचे का हिस्सा हैं।

मनुस्मृति थोपना चाहती हैं संघ : जयराम रमेश

इसके जवाब में कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने कहा कि आरएसएस ने अपनी स्थापना के समय से ही संविधान पर हमला किया है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने कभी भी संविधान को स्वीकार नहीं किया, उन्होंने इसकी आलोचना की कि यह मनुस्मृति से प्रेरित नहीं है। भाजपा द्वारा 2024 के चुनाव अभियान का नारा 400 पार था ताकि वे संविधान को बदल सकें। तत्कालीन भारत के मुख्य न्यायाधीश ने खुद 25 नवंबर, 2024 को एक प्रमुख आरएसएस पदाधिकारी द्वारा उठाए जा रहे मुद्दे पर एक फैसला सुनाया। क्या उनसे इसे पढ़ने का कष्ट करने का अनुरोध करना बहुत ज्यादा होगा?

समाजवाद और धर्मनिरपेक्ष शब्द अंबेडकर के मूल मसौदे का हिस्सा नहीं थे : होसबोले

आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में आरएसएस महासचिव दत्तात्रेय होसबोले ने कहा कि समाजवाद और धर्मनिरपेक्ष शब्द अंबेडकर के मूल मसौदे का हिस्सा नहीं थे। उन्होंने कहा कि इन्हें आपातकाल के दौरान 1976 के बयालीसवें संशोधन के ज़रिए जोड़ा गया था, यह वह दौर था जब संसद, न्यायपालिका और मौलिक अधिकारों पर बहुत ज़्यादा पाबंदी लगाई गई थी। होसबोले ने कहा, बाबा साहेब अंबेडकर ने जो प्रस्तावना बनाई थी, उसमें ये शब्द कभी नहीं थे। आपातकाल के दौरान न्यायपालिका कमज़ोर हो गई थी, तब ये शब्द जोड़े गए, और इस पर सार्वजनिक बहस की मांग की कि क्या इन्हें रहना चाहिए।

पिछले 11 सालों में भारत में अघोषित इमरजेंसी : वेणुगोपाल

कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा कि इस देश में अब अघोषित सेंसरशिप हो गई है। पिछले 11 सालों में भारत ने एक तरह की अघोषित इमरजेंसी का अनुभव किया है। कांग्रेस नेता ने सवाल किया कि हमारी संवैधानिक संस्थाएँ कहाँ हैं? चुनाव आयोग की गतिविधियाँ क्या हैं? हर संवैधानिक संस्था पर भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी ने हमला किया है। संवैधानिक मूल्यों पर हमला किया गया है। इसीलिए हम संविधान बचाओ यात्रा निकाल रहे हैं, जो जिला स्तर पर लगभग 689 स्थानों को कवर कर चुकी है। अब हम विधानसभा क्षेत्र स्तर पर आगे बढ़ रहे हैं। यही वजह है कि भाजपा बैकफुट पर है। अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए वे ये सब नाटक करने की कोशिश कर रहे हैं।

संविधान से छेड़छाड़ नहीं होने देंगे : लालू

लालू यादव ने सोशल मीडिया मंच एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर अपनी नाराज़गी जताते हुए आरएसएस को देश का सबसे जातिवादी और नफरत फैलाने वाला संगठन करार दिया। उन्होंने लिखा, देश के सबसे जातिवादी और घृणा फैलाने वाले संगठन आरएसएस ने संविधान को बदलने की मांग की है। लालू यादव ने पलटवार करते हुए कहा,इन लोगों में इतनी हिम्मत नहीं कि संविधान और उसमें दिए गए आरक्षण पर बुरी नजर डाल सकें। जिनका चरित्र अन्यायपूर्ण होता है, वे ही लोकतंत्र और बाबा साहब अंबेडकर के संविधान से इतनी नफरत करते हैं। गौरतलब है कि दत्तात्रेय होसबोले ने कांग्रेस की आपातकालीन कार्रवाइयों की आलोचना करते हुए कहा था कि उस समय संसद नहीं चल रही थी, न्यायपालिका निष्क्रिय थी और उसी दौरान प्रस्तावना में ये दोनों शब्द जोड़े गए थे।

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

सुदूर गांवों तक कब पहुंचेगी बुनियादी चीजें

"चुनावी घोषणापत्रों में उनके लिए वादे भी किए जाते हैं, परंतु चुनाव बीतते ही वायदों पर धूल की परत जम जाती है। शायद ही कोई जनप्रतिनिधि उनके दुख-दर्द को सुनने, उनकी अपेक्षाओं को समझने के लिए घर की दहलीज तक जाता हो? यह एक कड़वी सच्चाई है जिसे देश के अधिकांश राज्यों में महिलाओं ने जिया है। लेकिन तारीफ करनी होगी बिहार की जिसने इस परिपाटी को तोड़कर एक नई मिसाल कायम की है।

सरकारें महिलाओं की तरक्की की बात तो करती है पर आज भी सुदूर गांवों में वह बुनियादी चीजों से वंचित हैं। या ये भी कह सकते हैं सरकारी योजनाए उसके घरों की चौखट तक पहुंच नहीं पाई हैं। हालांकि शहरों में महिलाओं की तरक्की दिखाई देती है पर ग्रामीण क्षेत्रों में नगण्य हीं हैं। नीति नियंताओं को घर-घर तक विकास पहुंचाना होगा तभी दावे से कह सकते हैं कि भारतीय नारी अबला नही सबला बनने की ओर अग्रसर हैं। महिलाओं के सशक्तीकरण और गरीबी उन्मूलन में जीविका स्वयं सहायता समूह का गठन भी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। वर्ष 2006 में विश्व बैंक से ऋण लेकर शुरू की गई जीविका ने ग्रामीण महिलाओं की आर्थिक उन्नति के लिए वरदान साबित हुई है। भारतीय राजनीति में महिलाओं के सशक्तीकरण की बातें खूब होती हैं। चुनावी घोषणापत्रों में उनके लिए वादे भी किए जाते हैं, परंतु चुनाव बीतते ही वायदों पर धूल की परत जम जाती है। शायद ही कोई जनप्रतिनिधि उनके दुख-दर्द को सुनने, उनकी अपेक्षाओं को समझने के लिए घर की दहलीज तक जाता हो? यह एक कड़वी सच्चाई है जिसे देश के अधिकांश राज्यों में महिलाओं ने जिया है। लेकिन तारीफ करनी होगी बिहार की जिसने इस परिपाटी को तोड़कर एक नई मिसाल कायम की है।

एक ऐसा प्रदेश, जिसने दशकों तक महिलाओं को पुरुषों के निर्देशों पर मताधिकार का प्रयोग करते देखा, आज वही महिला सशक्तीकरण की एक ऐसी नई इबारत लिख रहा है, जो देश के लिए एक अनुकरणीय मॉडल बन चुकी है। इस परिवर्तनकारी यात्रा में एक महत्त्वपूर्ण पड़ाव महिला संवाद कार्यक्रम है, जिसे ग्राम स्तर पर शुरू किया गया। यह पहल केवल एक सरकारी कवायद नहीं, बल्कि महिलाओं को केंद्र में रखकर सामाजिक बदलाव को गति देने का एक सशक्त माध्यम है। यह कार्यक्रम प्रदेश की बेटियों, माताओं और बहनों की आवाज़ को गंभीरता से सुनने, समझने और भविष्य की नीतिगत व प्रशासनिक पहलों को आकार देने का एक महत्वपूर्ण मंच बन गया है। यह संतोष का विषय है कि अब तक 38 जिलों में 52,468 महिला संवाद कार्यक्रमों का सफल आयोजन हो चुका है, जिसमें कुल 1 करोड़ 13 लाख से अधिक महिलाओं ने उत्साह के साथ भाग लिया। यह संख्या इस बात का भी जीवंत प्रमाण है कि प्रदेश की महिलाएं अब अपनी आवाज उठाने और सरकार से सीधे जुड़ने को लेकर कितनी उत्सुक और जागरूक हैं। दरभंगा से लेकर पूर्वी चंपारण, मुजफ्फरपुर, पश्चिमी चंपारण, गया, पूर्णिया, समस्तीपुर, नालंदा और वैशाली तक, हर जगह महिलाओं ने बेबाकी से अपनी बात रखी है। उन्होंने नीति-निर्माताओं को यह समझने का अवसर दिया है कि महिला सशक्तीकरण की दिशा में आगे किन प्राथमिकताओं के साथ कदम बढ़ाए जाएं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

गर्म होती दुनिया में खतरा बनता फंगस

मुकुल व्यास

ग्लोबल वार्मिंग से दुनिया में नए रोगजनक उभर रहे हैं और मानव स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन रहे हैं। वैज्ञानिकों ने एस्परजिलस नामक फंगस के बढ़ते प्रसार के बारे में चिंता जताई है। इस फंगस के फैलने में जलवायु परिवर्तन और गर्म तापमान की मदद भी शामिल है। इस प्रकार की फफूंद लोगों, पौधों और जानवरों में गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न कर सकती है और कुछ मामलों में मृत्यु का कारण भी बन सकती है। एक नए अध्ययन में ब्रिटेन के शोधकर्ताओं ने दुनिया में फंगस के विस्तार का मॉडल बनाकर दिखाया है कि फंगस की तीन प्रजातियां, एस्परजिलस फ्यूमिगेटस, एस्परजिलस फ्लेवस और एस्परजिलस नाइजर अगले 70-80 वर्षों में उत्तर की ओर फैलेंगी। शोधकर्ताओं ने फंगस के मौजूदा आवासों और वार्मिंग की भविष्यवाणी करने वाले जलवायु मॉडल का अध्ययन करने के बाद यह निष्कर्ष निकाला है।

ब्रिटेन के मैनचेस्टर विश्वविद्यालय के पर्यावरण वैज्ञानिक नॉर्मन वैन रिजन का कहना है कि आर्द्रता और चरम मौसम की घटनाओं जैसे पर्यावरणीय कारकों में परिवर्तन, आवासों को बदल देंगे और फंगस के अनुकूलन और प्रसार को बढ़ावा देंगे। वायरस और दूसरे रोगजनक परजीवियों की तुलना में फंगस पर अपेक्षाकृत कम शोध किया गया है, लेकिन ताजा अध्ययन दिखाते हैं कि भविष्य में फंगस रोगजनकों का दुनिया के अधिकांश क्षेत्रों पर प्रभाव पड़ने की संभावना है। गंभीर जलवायु परिवर्तन के परिदृश्य के तहत, यूरोप में एस्परजिलस फ्यूमिगेटस का प्रसार 15 वर्षों में 77.5 प्रतिशत बढ़ सकता है, जिससे 90 लाख और लोगों को संक्रमण का खतरा हो सकता है। एस्परजिलस फ्लेवस जो गर्म क्षेत्रों को तरजीह देता है, यूरोप में 16 प्रतिशत तक प्रसारित हो सकता है, जिससे अतिरिक्त 10 लाख लोग जोखिम में पड़ सकते हैं। शोधकर्ता नए क्षेत्रों में फैलने वाले संक्रमण से चिंतित हैं। इस तरह के फंगस संक्रमण कमजोर लोगों, विशेष रूप से कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली वाले लोगों को ज्यादा परेशान करेंगे।

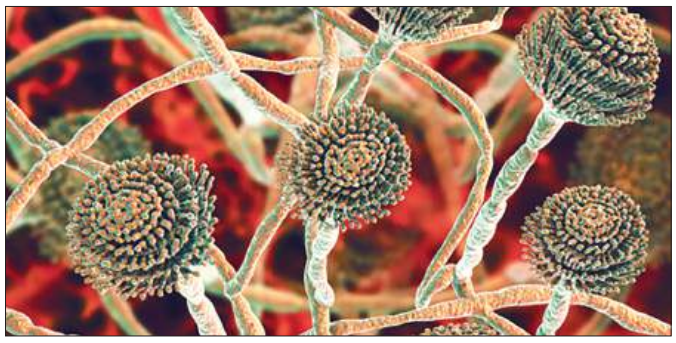

इस बात की अधिक संभावना है कि नई जगहों पर फंगस की प्रजातियों के अनुकूलन बाद स्वस्थ व्यक्तियों में भी संक्रमण के मामले बढ़ जाएंगे। शोधकर्ताओं का कहना है कि मानव संक्रमणों के अलावा और भी बातें चिंताजनक हैं। फंगस के प्रकोप से फसलें नष्ट हो सकती हैं, जिससे

जलवायु परिवर्तन के परिदृश्य में दुनिया की आबादी का पेट भरने करने की चुनौतियों में वृद्धि हो सकती है। शोधकर्ताओं ने अपने अध्ययन में लिखा है कि एशिया, यूरोप और दुनिया के दूसरे हिस्सों में एस्परजिलस फंगस के साथ मानव संपर्क में वृद्धि की संभावना आने वाले समय में सार्वजनिक स्वास्थ्य का बोझ बढ़ा सकती है और फसल सुरक्षा परिदृश्य को बदल सकती है। एस्परजिलस के अलावा एक और फंगस, कैंडिडा ऑरिस भी वैज्ञानिकों के लिए चिंता का विषय रही है। महत्वपूर्ण स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बनने में सक्षम यह फंगस भी दुनिया के गर्म होने के साथ-साथ नए क्षेत्रों में फैल रही है, और अन्य प्रजातियों के भी इसका अनुसरण करने की संभावना है। इन फंगस प्रजातियों का एक दूसरा पहलू भी है। पर्यावरण संतुलन में उनकी खास भूमिका है। वे पारिस्थितिकी तंत्र को लाभ पहुंचाती हैं, जिसमें कार्बन और पोषक तत्वों का पुनर्चक्रण शामिल है।

जलवायु परिवर्तन के कारण होने वाले बदलावों पर गौर करते समय इन सभी बातों पर भी विचार करने की आवश्यकता पड़ेगी। वैज्ञानिकों का कहना है कि फंगस रोगजनकों के प्रभावों को कम करने के लिए उनके बारे में जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ प्रभावी चिकित्सीय उपचार विकसित करना भी जरूरी होगा। इस बीच, संक्रामक रोग विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि खेती में नए फफूंदनाशक रसायनों के व्यापक उपयोग से मनुष्यों और जानवरों में फंगल संक्रमण के उपचारों के खिलाफ प्रतिरोध बढ़ सकता है। एक नए अध्ययन में कृषि में उपयोग किए जाने वाले फफूंदनाशक को मनुष्यों और जानवरों दोनों में फफूंद रोधी दवाओं के खिलाफ प्रतिरोध में वृद्धि से जोड़ा गया है। कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी के संक्रामक रोग विशेषज्ञ, डॉ. जॉर्ज थॉम्पसन और डॉ. एंजेल देसाई ने चेतावनी दी है कि हानिकारक फफूंद को मारने के लिए विकसित किए गए नए कृषि कीटनाशक लोगों और जानवरों में खतरनाक फंगल संक्रमण का इलाज करना कठिन बना सकते हैं।

फंगस प्रजातियां पहले से ही दुनियाभर में गंभीर स्वास्थ्य और आर्थिक समस्याओं का कारण बन रही हैं। एंटीफंगल एजेंट दवा और कृषि दोनों में आवश्यक रसायन हैं, लेकिन इन यौगिकों के अत्यधिक उपयोग से फफूंद में प्रतिरोध विकसित हो सकता है। इसका मतलब है कि मनुष्यों के लिए जीवन रक्षक उपचार काम करना बंद कर सकते हैं।

बड़े धार्मिक आयोजनों का वैज्ञानिक प्रबंधन जरूरी

प्रमोद भार्गव

प्रयागराज कुंभ मेले में और इसी साल जून माह में बेंगलुरु में आईपीएल मैच में मची भगदड़ की स्मृतियां विलोपित भी नहीं हो पाई थीं कि पुरी में चल रहे भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा में भगदड़ मचने से तीन श्रद्धालुओं की मौत हो गई और 50 से ज्यादा घायल हो गए। मंदिर में प्रवेश का रास्ता केवल एक था, बाहर जाने का मार्ग बंद कर दिया था, क्योंकि वहां से वीआईपी लोग दर्शन के लिए जा रहे थे। आम भक्तों के लिए बाहर आने का दूसरा कोई मार्ग नहीं था। इसी समय मंदिर में दो ट्रक लकड़ी और अनुष्ठान सामग्री से भरे इसी संकीर्ण मार्ग से भीतर भेज दिए गए। ट्रकों के कारण भीड़ में अफरा-तफरी मच गई और हादसा घट गया। साफ है, प्रशासनिक प्रबंधन की घोर लापरवाही के चलते श्रद्धालु हादसे के शिकार हो गए। मुख्यमंत्री ने सुरक्षा की चूक के लिए क्षमा मांगते हुए पुरी के कलेक्टर का अविलंब स्थानांतरण कर दिया।

स्थानांतरण कोई सजा नहीं होती। वास्तव में कुंभ मेले में और आईपीएल क्रिकेट मैच में हुए हादसों से प्रशासन को सबक लेने की जरूरत थी, जिससे रथयात्रा में भगदड़ से बचा जाए। भारत में पिछले डेढ़ दशक के दौरान मंदिरों और अन्य धार्मिक आयोजनों में उम्मीद से कई गुना ज्यादा भीड़ उमड़ रही है। जिसके चलते दर्शन-लाभ की जल्दबाजी व कुप्रबंधन से उपजने वाली भगदड़ व आगजनी का सिलसिला हर साल इस तरह के धार्मिक मेलों में देखने में आ रहा है। धर्म स्थल इस बात के लिए प्रेरित करते हैं कि हम शालीनता और आत्मानुशासन का परिचय दें। किंतु इस बात की परवाह आयोजकों और प्रशासनिक अधिकारियों को नहीं होती। लिहाजा राजनीतिक और प्रशासनिक तंत्र उस अनियंत्रित स्थिति को काबू करने की कोशिश में लगा रहता है, जिसे वह समय पर नियंत्रित करने की कोशिश करता तो हालात कमोबेश बेकाबू ही नहीं हुए होते? आयोजन को सफल बनाने में जुटे अधिकारी भीड़ के मनोविज्ञान का आकलन करने में चूकते दिखाई देते हैं।

वास्तव में कुंभ मेले में और आईपीएल क्रिकेट मैच में हुए हादसों से प्रशासन को सबक लेने की जरूरत थी, जिससे रथयात्रा में भगदड़ से बचा जाए। भारत में पिछले डेढ़ दशक के दौरान मंदिरों और अन्य धार्मिक आयोजनों में उम्मीद से कई गुना ज्यादा भीड़ उमड़ रही है। जिसके चलते दर्शन-लाभ की जल्दबाजी व कुप्रबंधन से उपजने वाली भगदड़ व आगजनी का सिलसिला हर साल इस तरह के धार्मिक मेलों में देखने में आ रहा है।

रथयात्रा की तैयारियों के लिए कई हजार करोड़ की धनराशि खर्च की जाती है। जरूरत से ज्यादा प्रचार करके लोगों को यात्रा के लिए प्रेरित किया जाता है। फलत: जनसैलाब इतनी बड़ी संख्या में उमड़ गया कि सारे रास्ते पैदल भीड़ से जाम हो गए। इसी बीच लापरवाही यह रही कि बाहर जाने के रास्ते को नेता और नौकरशाहों के लिए आरक्षित कर दिया गया और दो ट्रक आम रास्ते से मंदिर की ओर भेज दिए। इस चूक ने घटना को अंजाम दे दिया। जो भी प्रबंधन के लिए आधुनिक तकनीकी उपाय किए गए थे, वे सब व्यर्थ साबित हुए। दरअसल, रथयात्रा के दौरान उमड़ी भीड़ के आवागमन के सुचारु प्रबंधन के लिए जिस प्रबंध कौशल की आवश्यकता थी, उसके प्रति पूर्व से ही सतर्कता बरतना आवश्यक था।

दुर्भाग्यवश, इस दिशा में प्रबंधन ने अदूरदर्शिता दिखाई। मेलों के प्रबंधन के लिए हम प्राय: विदेशी साहित्य और प्रशिक्षण पर निर्भर रहते हैं, जो भारतीय मेलों की विशिष्ट सामाजिक-सांस्कृतिक परिस्थितियों के अनुरूप नहीं होते और इस कारण प्रासंगिक भी नहीं रह जाते। दुनिया के किसी अन्य देश में किसी एक दिन और विशेष मुहूर्त के समय लाखों-करोड़ों की भीड़ जुटने की उम्मीद ही नहीं की जाती? बावजूद हमारे नौकरशाह भीड़ प्रबंधन का प्रशिक्षण लेने खासतौर से यूरोपीय देशों में जाते हैं। प्रबंधन के ऐसे प्रशिक्षण विदेशी सैर-सपाटे के बहाने हैं, इनका वास्तविकता से कोई संबंध नहीं होता। ऐसे प्रबंधनों के पाठ हमें खुद अपने देशज ज्ञान और अनुभव से लिखने होंगे। प्रशासन के साथ हमारे राजनेता, उद्योगपति, फिल्मी सितारे और आला अधिकारी भी धार्मिक लाभ लेने की होड़ में व्यवस्था को भंग करने का काम करते हैं।

इनकी वीआईपी व्यवस्था और यज्ञ कुण्ड अथवा मंदिरों में मूर्तिस्थल तक ही हर हाल में पहुंचने की रूढ़ मनोदशा, मौजूदा प्रबंधन को लाचार बनाने का काम करती है। आम श्रद्धालुओं के बाहर जाने का रास्ता कथित वीआईपी लोगों के लिए सुरक्षित कर दिया जाता है। नतीजतन भीड़ अनियंत्रित स्थिति में आ जाती है और दुर्घटना घट जाती है। दरअसल मीडिया, राजनेता और बुद्धिजीवियों का काम लोगों को जागरूक बनाने का है कि तीर्थस्थलों में लोग कैसे अनुशासित व्यवहार करें। सामान्य जीवन व्यवहार और तीर्थस्थलों की सीमित जगह में बड़ी भीड़ के बीच मानवीय व्यवहार का फर्क तय किया जाना चाहिए। इस चेतना के अभाव में ही पिछले दो दशकों में हजारों लोग कुंभ, मेलों और मंदिर हादसों में मारे जा चुके हैं। दरअसल, सरकार और स्थानीय प्रशासन को श्रद्धालुओं की भीड़ का आकलन करके आयोजन की तैयारी करनी चाहिए। साथ ही वैकल्पिक मार्गों और राहत बचाव को लेकर व्यापक प्लान बनाना चाहिए। निश्चित रूप से अब समय आ गया है कि इस दिशा में वैज्ञानिक प्रबंधन पर ध्यान दें।

सुरक्षात्मक ढाल मानसून में करें तैयार

मानसून के दिनों में तेज बारिश और बार-बार तापमान में होते बदलाव के कारण कई प्रकार की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। यह परिस्थितियां कई प्रकार की एलर्जी और संक्रामक बीमारियों के जोखिमों को भी बढ़ाने वाली हो सकती हैं। नम वातावरण में सबसे ज्यादा जोखिम बैक्टीरिया-फंगल संक्रमण का होता है और इसके सबसे ज्यादा शिकार वे लोग होते हैं जिनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती है। यही कारण है कि सभी लोगों को बरसात के मौसम में उन उपायों को करने की सलाह दी जाती है जिससे शरीर की इम्युनिटी को बढ़ाया जा सके। आप इसके लिए आहार में कुछ बदलाव करके शरीर के लिए सुरक्षात्मक ढाल तैयार कर सकते हैं, जो रोगजनकों के कारण होने वाले जोखिमों से आपको बचाने में मददगार हैं।

दालचीनी और लौंग-काली मिर्च से बना पिएं काढ़ा

काढ़ा आपके प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने का सबसे कारगर पेय है। बरसात के दिनों में चूंकि संक्रामक रोगों का खतरा काफी बढ़ जाता है इसलिए काढ़ा का सेवन करके आप लाभ पा सकते हैं। लौंग-काली मिर्च और दालचीनी के साथ तुलसी के पत्ते से तैयार काढ़ा गले के खराश, रोग जनकों के दुष्प्रभाव को कम करने में आपके लिए सहायक है। इन मसालों में मौजूद पोषक तत्व बीमारियों से लड़ने के लिए आपकी शरीर को शक्ति प्रदान करते हैं।

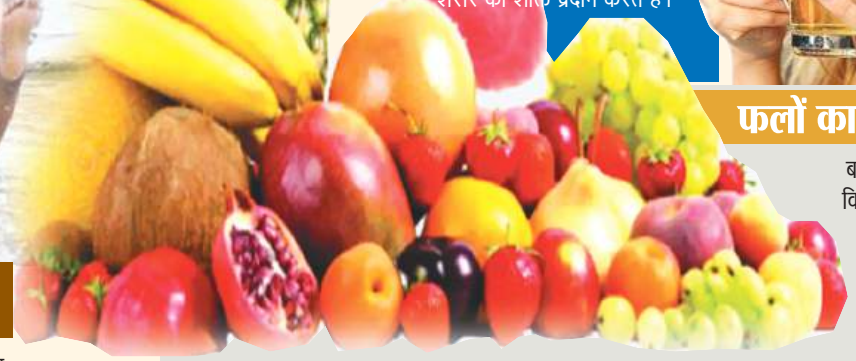

फलों का करें सेवन

मानसून के दिनों में फलों के सेवन को बढ़ाना आपके लिए लाभकारी हो सकता है। विशेषतौर पर इन दिनों में आम भरपूर मात्रा में उपलब्ध होते हैं, जिससे शरीर को कई प्रकार से स्वास्थ्य लाभ मिल सकता है। आम, विटामिन-सी का बेहतर स्रोत है जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में मदद करता है। आम खाने से आयरन के अवशोषण में सुधार होता है और कोशिकाओं को क्षति से बचाने के साथ प्रतिरक्षा प्रणाली के लिए इसे काफी लाभकारी फल माना जाता है।

रात में पिएं हल्दी वाला दूध

गर्म दूध में एक चुटकी हल्दी मिलाकर इसका सेवन करना आपके लिए बहुत लाभकारी है। हल्दी में करक्यूमिन नामक यौगिक पाया जाता है जो प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूती देने में बहुत लाभकारी है। और सर्दी-खांसी जैसी समस्याओं से राहत दिलाने में भी मदद करता है। दूध में हल्दी मिलाकर इसका सेवन करने से और भी लाभ हो सकते हैं। ये शरीर के दर्द और थकान को कम करने और इम्युनिटी को मजबूती देने में भी इसके लाभ हैं। हल्दी में ऐसे यौगिक होते हैं जो सेरोटोनिन और मेलाटोनिन के स्तर को बढ़ा सकते हैं, हार्मोन जो नींद को नियंत्रित करते हैं। इसलिए रात में हल्दी वाला दूध पीने से अच्छी नींद आती है, शरीर की थकान दूर होती है, और यह मांसपेशियों और हड्डियों के दर्द में भी आराम पहुंचाता है। सोने से पहले एक कप हल्दी वाला दूध पीने से आपको जल्दी नींद आने में मदद मिल सकती है और रात में अधिक आरामदायक नींद का आनंद ले सकते हैं।

गुनगुने पानी का करें सेवन

बरसात के इस मौसम में दूषित जल के कारण पेट से संबंधित कई बीमारियों के विकसित होने का खतरा भी रहता है। इससे बचाव के लिए पानी को गरम करें और फिर छानकर ठंडा करके ही सेवन करें। इसके अलावा सुबह गुनगुना पानी पीने से प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ावा देने के साथ मौसम में बदलाव के कारण एलर्जी और गले के संक्रमण को कम करने में भी इससे लाभ पाया जा सकता है।

हंसना मना है

डॉक्टर: जब आपको पता था, छिपकली आपके नाक में जा रही है, तो आपने रोका क्यों नही? मरीज: पहले कॉकरोच गया था, मैंने सोचा उसे पकड़ने जा रही होगी।

वाईफ: सुबह मेरे चेहरे पे पानी क्यों डाला? हसबैंड: तेरे बाप ने कहा था, मेरी बेटी फुल की तरह है इसे मुरझाने मत देना।

पप्पू: बताओ वो कौन सी औरत है जिसको सौ प्रतिशत पता होता है की उसका हसबैंड कहां हैं? पप्पू ने अपना खतरनाक दिमाग लगाया और बोला, विधवा औरत।

पापा: नालायक, तुमने अपनी मम्मी से ऊंची आवाज में बात क्यों की? बेटा: मुझे पता है पापा आपको जलन हो रही है क्योंकि आप ऐसा नहीं कर सकते।

आदमी: सर, मेरी वाइफ गूम गई है, पोस्टमन: यह पोस्ट ऑफिस है, पुलिस स्टेशन नहीं, आदमी: ओह सॉरी! साला खुशी के मारे कहां जाऊं, कुछ समझ में नहीं आ रहा!

टीचर- डेट और तारीख में क्या अंतर है? सारी पूरी क्लास चुप, गप्पू- सर, डेट में गर्लफ्रेंड के साथ जाते हैं और तारीख में वकील के साथ।

कहानी — सच्चाई की जीत

मायापुर गांव की सुंदरता का तो कुछ कहना ही नहीं था। क्योंकि उस गांव के किनारे ही एक विशाल जंगल था और उस जंगल में कई तरह के जंगली जानवर पशु-पक्षी रहा करते थे। एक दिन की बात है की एक लकड़हारा लकड़ियों को लेकर जंगल के रास्ते से अपने गांव की और जा रहा होता है। तभी उसे अचानक एक रास्ते पर शेर मिल जाता है और उस लकड़हारे से कहता है। देखो भाई आज मुझे कोई भी शिकार सुबह से नहीं मिला है और मुझे बहुत तेज भूख लगी है। मैं तुम्हें खाना चाहता हूं और तुम्हें खा कर मैं अपनी भूख मिटाऊंगा। तभी लकड़हारा घबराकर कहता है ठीक है अगर मुझे खाने से तुम्हारी भूख मिट सकती है और तुम्हारी जान बच सकती है तो मुझे ये मंजूर है। लेकिन उससे पहले में तुमसे कुछ कहना चाहता हूं, वह शेर कहता है कि तुम भैया अकेले हो और तुम्हारे ऊपर किसी की जिम्मेदारी भी नहीं है परन्तु मेरे घर पर बच्चे बीवी भूख से व्याकुल हो रहे हैं। इस कारण मुझे यह लड़कियां बेंचकर घर पर भोजन लेकर जाना होगा, परन्तु मैं तुमसे ये वादा करता हूं की मैं अपने बीवी और बच्चों को भोजन देकर तुरंत तुम्हारे पास आ जाऊंगा। तभी शेर बड़ी तेज हंसता है और कहता है कि तुमने क्या मुझे पागल समझ रखा है। तुम्हें मेरा शिकार बनना ही पड़ेगा। तभी लकड़हारा रोता है और कहता है कृप्या मुझे जाने दो मैं अपना वादा नहीं तोडूंगा। शेर को उसपर दया आ जाती है और कहता है की तुम्हें सूर्य डूबने से पहले ही आना होगा। लकड़हारा कहता है ठीक है। जब लकड़हारा अपनी बीवी और बच्चों को भोजन देकर शेर के पास वापस आया तो शेर प्रसन्न होता है और कहता है। तुम्हें मार कर मैं कोई पाप नहीं करना चाहता। तुम ईश्वर के सच्चे भक्त हो। तभी लकडहारा शेर का धन्यवाद करता है और खुशी खुशी अपने घर लौट जाता है।

7 अंतर खोजें

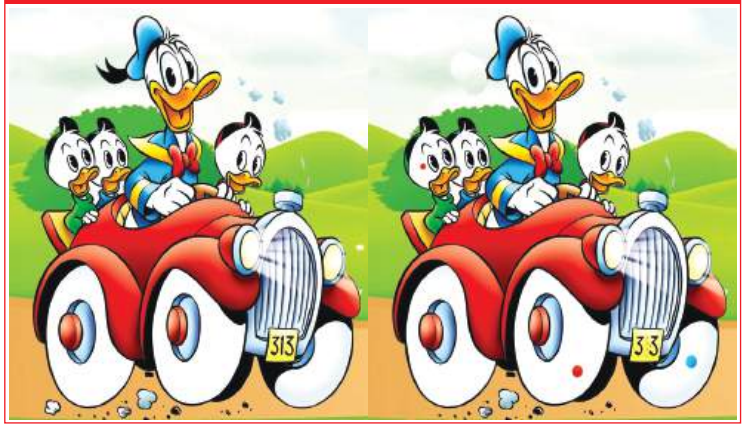

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — किसी प्रभावशाली व्यक्ति से सहयोग प्राप्त होगा। पूजा-पाठ में मन लगेगा। तीर्थदर्शन हो सकते हैं। विवेक का प्रयोग करें, लाभ होगा। मित्रों के साथ अच्छा समय बीतेगा।

वृषभ — स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। चोट व दुर्घटना से हानि संभव है। कार्य करते समय लापरवाही न करें। बनते कामों में बाधा हो सकती है। विवाद से बचें। आय बनी रहेगी।

मिथुन — घर-परिवार की चिंता रहेगी। किसी वरिष्ठ व्यक्ति का मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त होगा। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। घर-परिवार में प्रसन्नता रहेगी। बाहर जाने का मन बनेगा।

कर्क — लेन-देन में जल्दबाजी न करें। आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलने से क्रोध रहेगा। भूमि व भवन संबंधी बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे।

सिंह — रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

कन्या — बुरी सूचना मिल सकती है। मेहनत अधिक होगी। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। आय में कमी रहेगी। नकारात्मकता बढ़ेगी। विवाद से क्लेश होगा।

तुला — सामाजिक कार्यों में मन लगेगा। दूसरों की सहायता कर पाएंगे। मान-सम्मान मिलेगा। रुके कार्यों में गति आएगी। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। व्यापार ठीक चलेगा।

वृश्चिक — उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। कोई नया बड़ा काम करने की योजना बनेगी। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा।

धनु — यात्रा मनोरंजक रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है। किसी बड़ी समस्या का हल मिलेगा। व्यावसायिक साझेदार पूर्ण सहयोग करेंगे। नए मित्र बनेंगे।

मकर — अनावश्यक जोखिम न लें। किसी भी व्यक्ति के उकसावे में न आएं। फालतू खर्च होगा। पुराना रोग उभर सकता है। सेहत को प्राथमिकता दें। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

कुम्भ — मनोरंजक यात्रा की योजना बनेगी। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। आय में वृद्धि होगी। बिगड़े काम बनेंगे। प्रसन्नता रहेगी। मित्रों के साथ अच्छा समय व्यतीत होगा।

मीन — घर-परिवार के साथ आराम तथा मनोरंजन के साथ समय व्यतीत होगा। मान-सम्मान मिलेगा। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। योजना फलीभूत होगी। विरोध होगा।

बॉलीवुड | अपकमिंग

शादी तय होने की वजह से मैंने सूर्यवंशम को ठुकरा दिया था : मधु

मधु ने साल 1991 में अजय देवगन की फिल्म फूल और कांटे से बॉलीवुड डेब्यू किया था। लेकिन 20 साल के बॉलीवुड करियर के बाद एक्ट्रेस बॉलीवुड से गायब हो गईं और साउथ फिल्म इंडस्ट्री में एक्टिव हो गईं। मधु को अमिताभ बच्चन की एक फिल्म का ऑफर भी मिला लेकिन एक्ट्रेस ने रिजेक्ट कर दिया था। अब सालों बाद मधु ने बॉलीवुड से दूरी बनाने और बिग बी की फिल्म ठुकराने की वजह बताई है। लेहरन रेट्रो को दिए एक इंटरव्यू में मधु ने कहा-1997 तक, मैं असंतुष्ट महसूस करने लगी थी। मैं अब अपने काम को लेकर एक्साइटेड नहीं थी। साउथ में ऑथेंटिक, इमोशनल डायरेक्टर्स के साथ काम करने के बाद, उन प्रोजेक्ट्स में वापस लौटना अजीब लगा, जिनमें ईमानदारी की कमी थी। मैं सेट पर जाने से पहले उदास रहने लगी। जिस चीज की मुझे कभी सबसे ज्यादा चाहत थी, फिल्म सेट पर होना, उससे मुझे चिढ़ होने लगी थी। मधु ने आगे बताया कि उन्हें अमिताभ बच्चन की एक फिल्म का ऑफर मिला था। तब एक्ट्रेस की शादी होने वाली थी और उन्होंने ये ऑफर ठुकरा दिया था। मधु ने बताया- ये मिस्टर बच्चन के साथ एक बड़ी फिल्म थी, जिसे बाद में सौंदर्या ने किया। मेरी शादी की तारीख तय हो गई थी और मैंने अपने सेकरेट्री से कहा कि मैं ये नहीं करना चाहती। उन्होंने मुझे दोबारा सोचने के लिए कहा, लेकिन मैं अड़ गई थी। बता दें कि मधु को अमिताभ बच्चन की जिस फिल्म का ऑफर मिला था वो सूर्यवंशम थी। 1999 में रिलीज हुई इस फिल्म में अमिताभ बच्चन और सौंदर्या साथ नजर आए थे। इसी साल मधु ने आनंद शाह से शादी रचाई थी जिससे उनके दो बच्चे कीया शाह और अमेया शाह हुए। मधु का फिल्मी करियरमधु के करियर की बात करें को उन्होंने हिंदी के अलावा तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ भाषा की फिल्मों में भी काम किया था। फूल और कांटे के अलावा वो रोजा, अल्लारी प्रियुडु, योद्धा और जेंटलमैन जैसी फिल्मों में नजर आईं।

फातिमा सना शेख ने अफेयर की अफवाहों पर लगाया विराम

बॉलीवुड | मसाला

फातिमा सना शेख ने ट्रेलर लॉन्च के मौके पर सिर्फ अपनी अपकमिंग फिल्म 'आप जैसा कोई' का ही प्रमोशन नहीं किया, बल्कि अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी ऐसी बातें कह दीं, जिससे उनके फैंस चौंक गए। अफवाहों पर विराम लगाते हुए उन्होंने साफ कर दिया कि न तो वो किसी को डेट कर रही हैं और न ही इस वक्त उनकी लाइफ में कोई 'अच्छा लड़का' है। लेकिन क्या इसका मतलब ये है कि वो प्यार में यकीन नहीं रखतीं? बिल्कुल नहीं! फातिमा खुद को एक हार्डकोर रोमांटिक बताया और कहा- 'I love love।'

फातिमा मानती हैं कि वो शुरुआत में बहुत ड्रामा करती हैं- कहती हैं कि उन्हें रिश्ते नहीं चाहिए, लेकिन जब किसी के साथ जुड़ जाती हैं, तो पूरी शिद्दत से उस रिश्ते को निभाती हैं। वो कहती हैं, 'हम कहते रहते हैं कि हमें अकेले रहना है, लेकिन किसी से बातचीत किए बिना और जुड़ाव के बिना ग्रोथ नहीं होती।' उनका मानना है कि अकेले रहने से मेंटल हेल्थ पर भी असर पड़ सकता है।

फातिमा की नजरों में सच्चा रिश्ता वो होता है जो केवल दिखावे या फिजिकल अट्रैक्शन पर बेस्ड न हो। वो कहती हैं, 'आप किसी की खूबसूरती को 10 मिनट तक देख सकते हैं, लेकिन अगर बातचीत में दम न हो तो रिश्ता आगे नहीं बढ़ता।' उनके लिए ऐसा साथी जरूरी है जो विचारों से टकराए, नई सोच दे और इमोशनली भी कनेक्ट कर सके।

फातिमा ने ये भी बताया कि इंटिमेसी केवल रोमांटिक रिश्तों तक सीमित नहीं होती। दोस्ती में भी गहराई हो सकती है ङ्क कभी विचारों की वजह से, तो कभी इमोशनल सपोर्ट की वजह से। लेकिन एक पार्टनर से इंसान को उससे कहीं ज्यादा की उम्मीद होती है ङ्क 'थोड़ी ज्यादा कंसिस्टेंसी, थोड़ी ज्यादा अवेलेबिलिटी।'

डिजिटल जमाने में नहीं बदली इंसानों की नीयत- फातिमा

जब उनसे पूछा गया कि क्या आज के समय में डेटिंग ऐप्स के चलते रिलेशनशिप मुश्किल हो गए हैं, तो फातिमा ने इस बात से इंकार कर दिया। 'पहले भी लोग कई रिश्ते निभाते थे। अगर नीयत में ही धोखा है, तो तरीका कोई भी हो, इंसान भटकेगा ही। उन्होंने बताया कि उनके खुद के ज्यादातर रिश्ते लॉन्ग टर्म रहे हैं। फातिमा मानती हैं कि उनकी प्रोफेशनल लाइफ में उन्हें खूबसूरत लोग मिलते हैं, लेकिन सिर्फ लुक्स ही काफी नहीं होते। 'अगर कोई सोचने-समझने वाला न हो, तो रिश्ता आगे नहीं बढ़ता। उम्र के साथ खूबसूरती भी ढलती है, लेकिन सोच और जुड़ाव ही रिश्ता टिकाते हैं।'

दोस्त का दावा : मौत से पहले शेफाली ने ली थी ड्रिप और विटामिन सी

शेफाली जरीवाला अब इस दुनिया में नहीं रहीं। 42 साल की उम्र में एक्ट्रेस का 27 जून की रात को अचानक निधन हो गया। इतनी कम उम्र में यूं अचानक उनकी मौत से लोग हैरान हैं। शुरू में बताया जा रहा था कि एक्ट्रेस को कार्डियक अरेस्ट हुआ था जिससे उनकी मौत हो गई।

हाल ही में, पुलिस ने खुलासा किया कि उनकी मौत का कारण शायद बीपी कम होना है। उन्होंने अपने घर पर सत्यनारायण की पूजा रखी थी जिसके लिए उन्होंने व्रत रखा था। उनके पति के बयान के मुताबिक, फ्रिज में रखा खाना खाने के बाद वह बेहोश हो गई थीं। अब उनकी दोस्त पूजा घई ने इस मामले में एक चौंकाने वाला खुलासा किया है।

दरअसल, शेफाली जरीवाला की मौत के बाद उनके घर से एंटी-एजिंग पिल्स मिले हैं। ऐसे में कयास लगाए जा रहे हैं कि शायद इसकी ट्रीटमेंट की वजह से ही उनकी हालत बिगड़ी थी। अब उनकी दोस्त और एक्ट्रेस पूजा घई ने रिवील किया है कि मौत वाले दिन शेफाली ने फेस रिलेटेड ट्रीटमेंट के लिए आईवी ड्रिप ली थी।

विक्की लालवानी के साथ बातचीत में पूजा घई ने बताया, उस दिन (मौत वाले दिन) उन्होंने ड्रिप और विटामिन सी लिया लेकिन जैसा कि मैंने कहा, विटामिन सी लेना एक बहुत ही नॉर्मल बात है। मेरा मतलब है, हम सभी विटामिन सी लेते हैं, है ना? मुझे लगता है कि कोविड के बाद लोगों ने जितना मुमकिन हो सके उतना रेगुलरली विटामिन सी लेना शुरू कर दिया है और विटामिन सी एक ऐसी चीज है जिसे मैं भी लेती हूं। इसलिए यह एक बहुत ही नॉर्मल बात है। हालांकि, उन्होंने कितने बजे ली थी, यह नहीं पता चला है।

अजब-गजब | इसे कहा जाता है दुनिया की इकलौती मूर्ति

असली अपराधों में यूज की गई चाकुओं से हुआ है इस मूर्ति का निर्माण

दुनिया हर मूर्ति की एक अलग कहानी होती है। मूर्तिकार अपनी मेहनत से उसे आकार देते हैं, जो कि हर किसी के बस की बात नहीं होती है। मूर्ति किसकी बनी है। क्यों और कब बनाई गई थी। इसकी भी कहानियां होती हैं। कई मूर्तियां कुछ खास घटनाओं की साक्षी होती हैं या उन घटनाओं की वजह से बनी होती है और इसलिए ऐतिहासिक भी हो जाती है। वहीं कुछ अनोखे तरीके से बनाई जाती हैं तो इसलिए मशहूर हो जाती हैं। इंग्लैंड के ऑस्टवेस्टरी के ब्रिटिश आयरनवर्क सेंटर में यह मूर्ति कई लिहाज से दुनिया की इकलौती मूर्ति है। इसे ऐसे चाकुओं से बनाया गया है जिन्हें असली अपराधों में इस्तेमाल किया गया है। हर चाकू की अपनी एक दर्दनाक कहानी है।

मूर्तिकार ने बनाया है। नाइफ एंजेल के नाम से मशहूर इस मूर्ति को नेशनल मॉन्यूमेंट अगेंस्ट वॉयलेंस एंड एग्रेशन भी कहा जाता है। बताया जाता है कि इसे बनाने में कुल एक लाख चाकुओं और ब्लेड का इस्तेमाल हुआ है। यह मूर्ति चाकुओं के अपराधों और हिंसाओं के खिलाफ एक शक्तिशाली प्रतीक है। और यह ऐसे अपराधों में शिकार लोगों पर हुए प्रभावों की याद दिलाती है।

खास बात ये है कि ब्रैडले को इन चाकुओं को जमा करने में 10 साल का समय लगा था। यह

मूर्ति 2018 में बन कर तैयार हुई थी। इस मूर्ति के चाकुओं की खास बात ये है कि इनमें से कई चाकू उस नाइफ बैंक के हैं, जिसमें सजा माफी के बाद लोग बिना अपनी पहचान जाहिर किए चाकू जमा कर जाते थे।

इस मूर्ति को बनाने का मकसद यूके में लोगों को चाकू के अपराधों के प्रति जागरूकता फैलाना है। इसके साथ ही इसका मकसद युवाओं को यह अहसास दिलाने की कोशिश करना है कि हिंसा का बर्ताव लोगों और समुदायों पर कितना बुरा असर डाल सकता है। मूर्ति को बनाने में करीब 5 करोड़ 88 लाख रुपये का खर्चा आया था।

एक जगह नहीं रखी गई है मूर्ति

खास बात ये है कि यह मूर्ति बनने के बाद से एक ही जगह स्थापित नहीं की गई है। इसे ब्रिटेन के कई हिस्सों में नुमाइश के तौर पर रखा गया। फिलहाल ये ऑस्टवेस्टरी के ब्रिटिश आयरनवर्क सेंटर में रखी गई है। इससे पहले वह स्कॉटलैंड के पर्थ में रखी गई थी।

एक बार चाकू जमा होने के बाद सारे चाकुओं को विसंक्रमित किया गया और फिर सबसे पहले तो उनकी धार को हटाया गया है। इसके बाद चाकुओं को गला कर एक स्टील के ढांचे से चिपकाया गया। कुछ चाकुओं कि स्टील की प्लेट्स से ऐसे जोड़ा गया जिससे कि पंख का आकार मिल सके। इसके अलावा ब्रिटेन में चाकू वाले अपराधों के शिकार लोगों के परिवार वालों को मूर्ति पर संदेश उकेरने के लिए आमंत्रित भी किया गया। कुल 80 परिवारों ने पंखों पर लगे चाकुओं पर अपने संदेश उकेरने के लिए दिए।

क्या सांप का जहर हाथी को मार सकता है? सच्चाई जानकर चौंक जाएंगे आप !

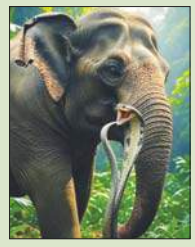

धरती का सबसे बड़ा जानवर हाथी है, जिसे सबसे शक्तिशाली माना जाता है। दूसरी ओर किंग कोबरा को धरती पर सबसे जहरीले सांपों में से एक माना जाता है। किंग कोबरा के एक बार काटने पर लगभग 200 से 500 मिलीग्राम जहर निकलता है, जो लगभग 20 लोगों को मारने के लिए पर्याप्त है। लेकिन दिलचस्प सवाल यह है कि क्या यह जहर हाथी को मार सकता है? सवाल सुनकर थोड़ी हैरानी होती है और जेहन में सवाल उठता है कि जिस हाथी की चमड़ी को शेर जैसे खतरनाक पंजे वाले जीव जल्दी भेद नहीं पाते, क्या उसे कोई सांप डंस सकता है? किसी के लिए भी इस का गेस करना थोड़ा मुश्किल है। ऐसे में कई लोगों के मन में शंका है- क्या किंग कोबरा अपने जहर से हाथी को मार सकता है? इसका जवाब हैरान करने वाला है। हाथी का शरीर बहुत बड़ा होता है और उसकी त्वचा लगभग 1.5 से 2 इंच मोटी होती है, जो इसे प्राकृतिक सुरक्षा प्रदान करता है। लेकिन कुछ जगहों खासकर उसके पैरों, सूंड और पेट पर त्वचा थोड़ी पतली होती है। ये वो जगहें हैं जहां कोबरा काट सकता है। किंग कोबरा के जहर में न्यूमोटॉक्सिक गुण होते हैं। यह मानव तंत्रिका तंत्र को तुरंत पैरालाइज बना सकता है। लेकिन एक हाथी की तुलना में यह खुराक छोटी है। किंग कोबरा के नुकीले दांत केवल आधे इंच लंबे होते हैं। यह हाथी की त्वचा को भेदने के लिए पर्याप्त नहीं है। भले ही वे नरम भागों को काट दें, लेकिन इससे गंभीर प्रभाव होने की संभावना कम है। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि अगर नुकीले दांत घुस जाते हैं और जहर खून के साथ मिल जाता है, तो हाथी मार भी सकता है। लेकिन इसकी संभावना बहुत ही कम है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से, यह कहा जा सकता है कि किंग कोबरा का जहर हाथी को मारने के लिए पर्याप्त प्रभावी नहीं है। हाथी के शरीर के बड़े आकार के कारण, जहर की एक छोटी खुराक से भी असर करना बहुत मुश्किल है। इसके अलावा, दांतों की छोटी लंबाई और सख्त त्वचा के कारण, काटने के माध्यम से जहर के रक्तप्रवाह में प्रवेश करने की कोई संभावना नहीं है। इसलिए कोबरा के लिए हाथी को मारना असंभव है। हाथी बनाम कोबरा- अगर आप इन दोनों के बीच लड़ाई की कल्पना भी करें तो यह असंभव है, क्योंकि प्रकृति ने हाथी को बचाव के लिए कठोर शरीर तो कोबरा को खतरनाक जहर दिया है। लेकिन इस ज़हर के हाथी पर असर करने की संभावना बहुत कम है। यह प्रकृति द्वारा प्रत्येक प्राणी को दी गई विशिष्टता को दर्शाता है।

दुनिया को दिखने लगा भाजपा का असली चेहरा : पटवारी

मंत्री के कमीशन लेने के मामले पर बरसे मप्र कांग्रेस अध्यक्ष

» 1 हजार करोड़ के घोटाले की जांच सीबीआई से कराने की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मंत्री को तत्काल देना चाहिए अपने पद से इस्तीफा

भोपाल। मध्य प्रदेश की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की मंत्री संपतिया उइके के 1000 करोड़ रुपए कमीशन लेने के आरोप मामले में कांग्रेस पार्टी ने सरकार पर हमला बोल दिया है। पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने जांच को लेकर कहा कि यह भारतीय जनता पार्टी का चाल, चरित्र और चेहरा है, जो देश और दुनिया को स्पष्ट दिख रहा है। पटवारी ने कहा कि 21 तारीख को जांच के आदेश दिए जाते हैं और 25 तारीख को जांच पूरी हो जाती है। 4 दिनों में एक हजार करोड़ रुपए की जांच समाप्त हो जाना अपने आप में बहुत कुछ बयां करता है। उन्होंने कहा है कि मामले में प्रधानमंत्री को वह पत्र लिखेंगे और सीबीआई जांच की मांग करेंगे। पटवारी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी का दावा था कि न खाऊंगा और न खाने दूंगा। लेकिन यहां भारतीय जनता पार्टी सिर्फ खाने का काम कर रही है।

बीजेपी के नेता ही खा सकते हैं, दूसरों को उसमे भी कोई छूट नहीं है। खाऊंगा ही और हम ही खाएंगे, ये भाजपा का नया नारा है। देश में नरेंद्र मोदी जी ने एक ऐसा देश बनाने की बात कही थी, जिसमें कोई भ्रष्टाचारी बच नहीं सकता। पटवारी ने कहा कि 21 तारीख को जांच के आदेश दिए जाते हैं और 25 तारीख को जांच पूरी हो जाती है। ये इसलिए की मंत्री बीजेपी की है, सरकार बीजेपी की है। इसलिए कि बीजेपी की जांच एजेंसी है। क्या ये मोदी का नया भारत है, न खाऊंगा न खाने दूंगा। अगर विपक्ष का हो तो छीछालेदर और अपना हो तो उसमे शहद डाल दो। अगर ये देश के लिए हित में नहीं है, तो हमे लड़ना पड़ेगा। पीसीसी चीफ पटवारी ने कहा कि वे जल जीवन मिशन में हुए भ्रष्टाचार को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक पत्र लिखिंगे। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में जल जीवन मिशन के 60प्रतिशत कमीशन का मामला है। इसका भौतिक सत्यापन होना चाहिए। मंत्री को तत्काल अपना इस्तीफा देना चाहिए।

हरियाणा सरकार खनन माफिया को दे रही संरक्षण: हुड्डा

चंडीगढ़। पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि प्रदेश सरकार खुद अवैध खनन और माफिया को संरक्षण दे रही है। हुड्डा ने कहा कि यमुना में अवैध खनन यमुनानगर से लेकर पलवल तक एक ही जैसा नजर आता है। हर जगह खनन माफिया बेखौफ होकर अवैध खनन को अंजाम दे रहा है। पलवल में अवैध तौर

पर रेत निकालने के लिए यमुना पर कई अस्थायी पुल तक बना दिए गए। इनके लिए किसी तरह की आधिकारिक और न ही पर्यावरण संबंधी मंजूरी ली गई। लोग स्थानीय विधायक से लेकर मंत्री तक को शिकायत कर चुके हैं। हुड्डा ने कहा कि मानसून दस्तक दे चुका है। अभी तक कई जगह नदियों के तटबंधों को मजबूत नहीं किया गया।

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने भी बोला हमला

मध्य प्रदेश विधानसभा नेता प्रतिपक्ष ने भी मामले में सोशल मीडिया के माध्यम से सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि जनता को न नल मिला, न जल - मिला तो सिर्फ घोटालों का दल! जल जीवन मिशन के 30,000 करोड़ में से 1,000 करोड़ के कमीशन की शिकायत अप्रैल में सीधे प्रधानमंत्री कार्यालय तक गई, जिसमें मंत्री और अफसरों पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए गए। मामले को दो महीने तक दबाए रखने के बाद पीएचई विभाग ने जून के अंत में जांच के आदेश दिए और खानापूर्ति करते हुए विभाग ने मंत्री जी को क्लीनचिट भी दे डाली।

जीतू पटवारी ने कहा कि प्रधानमंत्री को एक नेशनल टीम भेजकर इसकी जांच करनी चाहिए। साथ ही इसकी सीबीआई जांच भी कराई जाना चाहिए।

दिल्ली में नकली दवाओं का कारोबार बढ़ा : देवेन्द्र यादव

» कांग्रेस नेता बोले- दिल्ली और केन्द्र सरकार मौन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने राजधानी में नकली दवाओं के बढ़ते कारोबार को लेकर भाजपा की केंद्र और दिल्ली सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा, सरकार की नाक के नीचे मौत के सौदागर खुलेआम नकली दवाओं की आपूर्ति कर रहे हैं और इसका बड़ा हिस्सा सरकारी अस्पतालों में खपाया जा रहा है। देवेन्द्र यादव ने बताया, बीते तीन वर्षों में 20 करोड़ रुपये से अधिक की नकली दवाएं पकड़ी गई हैं, जो यह दर्शाता है कि यह कारोबार किस हद तक फैल चुका है।

उन्होंने कहा कि कमजोर निगरानी, भ्रष्टाचार और सरकारी तंत्र की मिलीभगत से ही असली दवाओं के साथ नकली दवाएं मिक्स कर सप्लाई की जा रही हैं। उन्होंने संसद में कानून बनाकर नकली दवा बनाने और बेचने वालों को कड़ी सजा, यहां तक कि मौत की सजा तक देने की मांग की। भारत विश्व का सबसे बड़ा जेनेरिक दवा उत्पादक है और यहां बन रहीं दवाएं अमेरिका, ब्रिटेन और दुनिया के अन्य देशों में जाती हैं, ऐसे में नकली दवाओं का यह संगठित कारोबार देश की साख को भी नुकसान पहुंचा रहा है। देवेन्द्र यादव ने आरोप लगाया, दिल्ली में कैंसर, हृदय, डायबिटीज, लिवर और किडनी जैसी गंभीर बीमारियों की दवाओं की अधिक मांग है।

अंतर्राष्ट्रीय मादक पदार्थ विरोधी दिवस पर रैली का आयोजन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नशीले पदार्थों के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय मादक पदार्थ विरोधी दिवस मनाया गया, यह एक वार्षिक संयुक्त राष्ट्र-नामित उत्सव है जिसका उद्देश्य दुनिया को नशीले पदार्थों के दुरुपयोग से मुक्त दिलाना और युवाओं को मादक पदार्थों से होने वाले दुष्प्रभाव के प्रति आगाह करना था। इसी के चलते केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो महानगर लखनऊ 2 द्वारा एक जागरुकता बाइक रैली निकाली गई। रैली को केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो के उप सहायक आयुक्त अनिल कुमार विश्वकर्मा ने हरी झंडी दिखा कर रवाना किया।

विश्वकर्मा ने कहा कि प्रत्येक वर्ष की भाँति इस वर्ष भी अंतर्राष्ट्रीय मादक पदार्थ विरोधी दिवस के अवसर केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो महानगर लखनऊ 2 द्वारा

ज़न जागरुकता रैली और नुक्कड़ नाटक के कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सहायक कमिश्नर नारकोटिक्स अनिल कुमार विश्वकर्मा ने बताया कि बाइक रैली में विभाग के अधिकारी समेत अन्य अधिकारी कर्मचारी शामिल रहे। रैली केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो महानगर से शुरू होकर कपूरथला, आईटी चौराहा, लविवि, परिवर्तन चौक होते हुए पुन: कार्यालय पर आकर समाप्त हुई।

थोड़ी सी बारिश ने खोली ट्रैफिक की पोल

» भारी जाम से लोग रहे परेशान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। दो दिन की बारिश ने राजधानी लखनऊ की हालत बदतर कर दी । जगह-जगह जलभराव और उससे होने वाले ट्रैफिक जाम ने लोगों की तकलीफ और बढ़ा दी। शहर की प्रमुख मार्गो रिंग रोड, लोहिया पथ, शहीद पथ पर भीषण जाम में लोग उमस भरी गर्मी में जूझते नजर आए। दोपहर लखनऊ के पॉलिसियों की ओर लौटते समय आम जनता को भयंकर ट्रैफिक जाम का सामना करना पड़ा। हल्की बारिश के बाद जैसे ही वाहन सड़कों पर बढ़े, पूरा रास्ता जाम में तब्दील हो गया। चारों तरफ वाहन रेंगते नज़र आए, और लोग घंटों तक जाम में फंसे रहे। स्कूल खत्म होने का समय था, दफ्तरों से भी लोग घर लौट रहे थे।

ऐसे समय में ट्रैफिक का इस तरह चरम पर पहुंच जाना सिर्फ एक

असुविधा नहीं, बल्कि एक बड़ी लापरवाही को उजागर करता है। यह कोई आम बात नहीं है जिसे अनदेखा किया जाए। यह हर दिन सैकड़ों लोगों की दिनचर्या, बच्चों की सुरक्षा, और आपातकालीन सेवाओं की गंभीरता से जुड़ा विषय है। यह नोट एक जागरूक नागरिक की ओर से सवाल है — व्यवस्था से, प्रशासन से और उन जिम्मेदार संस्थाओं से जो शहर को सुचारू रूप से चलाने की ज़िम्मेदारी उठाते हैं। समय आ गया है कि इस समस्या को गंभीरता से लिया जाए। लापरवाही को आदत मत बनने दीजिए।

आम जनता ने बयां किया दर्द

सड़क में जाम में फंसी स्कूल अध्यापिका मोनिका, छात्र अनुभव, एक प्राईवेट सेक्टर में काम करने वाले निमिन ने बताया कि ट्रैफिक पुलिस की कोई व्यवस्था दिखी, न कोई वैकल्पिक मार्ग सुझाया गया। बच्चों के साथ लौट रहे माता-पिता खासे परेशान नज़र आए। जो वाहन स्कूल से घर तक 30 मिनट में पहुंचते हैं, उन्हें आज डेढ़ से दो घंटे का समय लग गया। ऑफिस से लौटते कर्मचारियों के लिए यह दिन बेहद थकानभरा और निराशाजनक साबित हुआ। सबसे चिंता की बात यह रही कि कुछ एम्बुलेंसें भी इस जाम का हिस्सा बनीं। ऐसी स्थितियों में यदि किसी मरीज़ की जान चली जाए, तो उसका ज़िम्मेदार कौन होगा?यह पहला मौका नहीं है। हर बार बारिश होते ही शहर की ट्रैफिक व्यवस्था की कमज़ोरी सामने आ जाती है।

भारत ने टी20 सीरीज में 2-0 की बनाई बढ़त

» दूसरे मैच में इंग्लैंड की महिला टीम को 24 रन से हराया, जेमिमा-अमनजोत चमकीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

ब्रिस्टल। भारतीय महिला टीम ने ब्रिस्टल में खेले गए दूसरे टी20 मुकाबले में इंग्लैंड को 24 रन से हरा दिया। इस जीत के साथ टीम इंडिया ने पांच मैचों की टी20 सीरीज में 2-0 की बढ़त बना ली है। पहला मुकाबला भारत ने 97 रन से अपने नाम किया था। अब अगला मुकाबला चार जुलाई को लंदन के केनिंग्टन ओवल में खेला जाएगा। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने 20 ओवर में चार विकेट गंवाकर 181 रन बनाए। जेमिमा रॉड्रिग्स और अमनजोत कौर ने अर्धशतक जमाया।

वहीं, ऋचा घोष ने आखिर में तूफानी पारी खेली। जवाब में इंग्लैंड की टीम 20 ओवर में सात विकेट गंवाकर 157 रन ही बना सकी। भारतीय टीम इस मैच में हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में उतरी थी। पिछले मैच में वह नहीं खेली थीं। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम की शुरुआत खराब रही थी। शेफाली वर्मा, स्मृति मंधाना और कप्तान हरमनप्रीत कौर कुछ खास नहीं कर सकीं। इसके बाद जेमिमा रॉड्रिग्स और अमनजोत कौर ने चौथे विकेट के लिए 93 रन की साझेदारी निभाई। जेमिमा 41 गेंद में 63 रन बनाकर आउट हुईं। वहीं, अमनजोत ने पांचवें विकेट के लिए ऋचा के साथ 57 रन की नाबाद साझेदारी की। अमनजोत 40 गेंद में नाबाद 63 रन बनाए, जबकि ऋचा 20 गेंद में 32 रन बनाकर नाबाद रहीं। जवाब में इंग्लिश टीम ने 17 रन तक तीन विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद टैमी ब्यूमोंट और एमी जोंस ने पारी संभालने की कोशिश की। लेकिन भारतीय गेंदबाजों के आगे इंग्लिश टीम ने घुटने टेक दिये।

दूसरे टेस्ट में नीतीश- कुलदीप को मिल सकता है मौका

एजबेस्टन। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला आज से बर्मिंघम के एजबेस्टन में खेला जाएगा। लीड्स में हार के बाद भारतीय टीम में बदलाव को लेकर काफी बातें हो रही हैं। खुद सहायक कोच रेयान टेन डेशकाटे भी इस बारे में बात कर चुके हैं। ऐसे में एजबेस्टन में भारतीय प्लेइंग-11 में दो बदलाव देखने को मिल सकते हैं। जसप्रीत बुमराह को वर्कलोड मैनेजमेंट के तहत आराम दिया जा सकता है, जबकि शार्दुल ठाकुर को भी बाहर किया जा सकता है। इनकी जगह नीतीश रेड्डी, कुलदीप यादव और अर्शदीप सिंह में से किसी दो की एंट्री हो सकती है। डेशकाटे ने दो स्पिनरों के साथ जाने की रणनीति को सही बताया था।

नगर निगम ने आम नागरिकों को खतरे में डाला, मार्ग प्रकाश की लापरवाही से बढ़ी वारदातें

» खुले तार और बंद स्ट्रीट लाइटों से हादसे की आशंका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निगम की लापरवाही एक बार फिर सामने आई है। शहर के जोन 4 से लेकर जोन 7 तक कई स्थानों पर स्ट्रीट लाइटों के खुले तार लोगों की जान के लिए खतरा बन चुके हैं। खुर्रम नगर चौकी के पास खुले पड़े इन तारों के पास ही पानी का नल भी है, जिससे करंट फैलने का खतरा और भी ज्यादा बढ़ गया है।

ज़रा सी असावधानी किसी बड़े हादसे को जन्म दे सकती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इलाके की अधिकांश स्ट्रीट लाइटें बंद पड़ी हैं, जिससे रात के समय अंधेरा रहता है और दुर्घटनाओं की संभावना बनी रहती है। जोन 4 में पॉलिटेक्निक चौराहे से पहले बस स्टॉप के पास भी यही हाल है—बंद लाइटें और खुले तार। नगर निगम की यह बड़ी लापरवाही आम जनता और जानवरों के लिए खतरे का कारण बन रही है।

वार्ड विकास निधि से नहीं मिल रही लाइटें : राजेश सिंह पार्षद

पेपर मिल कॉलोनी वार्ड नंबर 70 के पार्षद राजेश सिंह गब्बर ने भी लाइटों की समस्या पर रोष व्यक्त किया है। उनका कहना है कि उन्होंने एक माह पहले अपने वार्ड में स्ट्रीट लाइटें लगाने के लिए पत्र दिया था, लेकिन अब तक उन्हें वार्ड विकास निधि से एक भी लाइट नहीं मिली है। राजेश सिंह गब्बर ने बताया, मेरे वार्ड में 100 से अधिक लाइटों की आवश्यकता है। अंधेरे की वजह से लोगों को असुविधा हो रही है। महापौर द्वारा स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि पार्षद वार्ड विकास निधि से लाइटें ले सकते हैं, लेकिन मेरी सुनवाई नहीं हो रही।पार्षद गब्बर अपनी शिकायत लेकर आर.आर. चीफ मनोज प्रभात से भी मिले। उन्होंने पार्षद का पत्र मंगवाया और आश्वासन दिया कि जल्द ही उनके वार्ड में स्ट्रीट लाइटें लगवाई जाएंगी।

जनता में आक्रोश

क्षेत्रीय नागरिकों में नगर निगम की इस लापरवाही को लेकर गहरा आक्रोश है। लोग मांग कर रहे हैं कि जल्द से जल्द स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत हो और खुले तारों को सुरक्षित किया जाए, जिससे किसी अप्रिय घटना से बचा जा सके।

नगर निगम की लापरवाही पर गरजे आरआर चीफ

नगर निगम की मार्ग प्रकाश व्यवस्था में लगातार सामने आ रही लापरवाही को लेकर आरआर चीफ मनोज प्रभात ने सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिन-जिन जोनों में स्ट्रीट लाइटों के तार खुले पाए गए हैं, वहां के जेई के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

अब तक जीएसटी को सुधार नहीं पाई मोदी सरकार : राहुल गांधी

बोले नेता प्रतिपक्ष- आर्थिक अन्याय और कॉर्पोरेट भाईचारे का क्रूर हथियार है यह कर प्रणाली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जीएसटी के आठ साल पूरे होने पर जहां सरकार वाहवाही कर रही है वहीं कांग्रेस सासंद व नेता प्रतिपक्ष ने जमकर एनडीए सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि यह आर्थिक अन्याय और कॉर्पोरेट भाईचारे का क्रूर हथियार है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इसको लेकर सरकार पर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि 8 साल बाद, मोदी सरकार का जीएसटी कोई कर सुधार नहीं है।

यह आर्थिक अन्याय और कॉर्पोरेट भाईचारे का क्रूर हथियार है। इसे गरीबों को दंडित करने, एमएसएमई को कुचलने, राज्यों को कमजोर करने और प्रधानमंत्री के कुछ अरबपति मित्रों को लाभ पहुंचाने के लिए बनाया गया था।

देश के सबसे बड़े कर सुधारों में से एक, जीएसटी की शुरूआत ने भारत की अप्रत्यक्ष कर प्रणाली को एक सुव्यवस्थित कर संरचना में एकीकृत करने में मदद की।

जीएसटी पोर्टल दैनिक उत्पीड़न का स्रोत बना

राहुल ने अपने पोस्ट में लिखा कि एक अच्छा और सरल कर का वादा किया गया था। इसके बजाय, भारत को अनुपालन का दु:स्वप्न और पाँच-स्लैब कर व्यवस्था मिली, जिसमें 900 से अधिक बार संशोधन किया गया है। यहाँ तक कि कारमेल पॉपकॉर्न और क्रीम बन भी इसके भ्रम के जाल में फँस गए हैं। उन्होंने आगे लिखा कि नौकरशाही की भूलभुलैया बड़े कॉरपोरेट्स के पक्ष में है, जो एकाउंटेंट की सेना के साथ इसकी खामियों को दूर कर सकते हैं, जबकि छोटे दुकानदार, एमएसएमई और आम व्यापारी लालफीताशाही में डूबे हुए हैं। जीएसटी पोर्टल दैनिक उत्पीड़न का स्रोत बना हुआ है।

8 साल में 18 लाख से अधिक उद्यम बंद हो गए

राहुल ने कहा कि भारत के सबसे बड़े रोजगार सृजक एमएसएमई को सबसे अधिक नुकसान हुआ है। आठ साल पहले जीएसटी लागू होने के बाद से 18 लाख से अधिक उद्यम बंद हो गए हैं। नागरिक अब चाय से लेकर स्वास्थ्य बीमा तक हर चीज़ पर जीएसटी का भुगतान करते हैं, जबकि कॉरपोरेट सालाना 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक कर छूट का आनंद लेते हैं।

राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि मामले की सुनवाई अब 14 जुलाई को

एमपी-एमएलए अदालत में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि के एक मामले की सुनवाई टल गई। मंगलवार को गवाह से जिरह होनी थी, लेकिन गवाह के न आने पर अदालत ने अगली सुनवाई 14 जुलाई को निर्धारित की है। साल 2018 के राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि के एक मामले में सुनवाई को एक बार फिर से टाल दिया गया है। इस बार इस केस में गवाह ही हाजिर नहीं हुआ।इस लिए कोर्ट ने मामले की सुनवाई को आगे बढ़ा दिया है। यह मामला वर्ष 2018 का है, जब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता विजय मिश्रा ने राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दर्ज कराया था। एमपी-एमएलए अदालत ने दिसंबर 2023 को राहुल गांधी के खिलाफ वारंट जारी किया था। फरवरी 2024 में राहुल ने अदालत में आत्मसमर्पण किया और उन्हें 25-25 हजार रुपये के दो मुचलकों पर जमानत दे दी गई। इसके बाद 26 जुलाई 2024 को राहुल ने अदालत में अपना बयान दर्ज कराया था। उन्होंने खुद को निर्दोष बताते हुए कहा था कि उनके खिलाफ राजनीतिक साजिश हो रही है।

हिमाचल में फिर बादल फटे 18 से ज्यादा लोगों की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» 34 लापता 332 बचाए गए

शिमला। हिमाचल प्रदेश में इस हफ्ते तीन दिनों में को कई जगह बादल फटे हैं। मंडी जिले में 15, जबकि कुल्लू और किन्नौर जिले में एक-एक जगह बादल फटा है। मंडी जिले में बारिश, बादल फटने और ब्यास नदी व नालों के रौद्र रूप से भारी तबाही हुई है। मंडी में 16 लोगों समेत पूरे प्रदेश में 18 की जान चली गई है। 33 लोग अभी लापता हैं। दर्जनों लोग घायल हो गए हैं। 332 लोगों को जगह-जगह से रेस्क्यू कर उनकी जान बचाई गई है। अकेले मंडी जिले में 24 घर और 12 गोशालाएं जमींदोज हो गई हैं। 30 पशुओं की मौत हो गई है। कुकलाह के समीप पटीकरी प्रोजेक्ट बह गया है।

कई पुल ध्वस्त हो गए हैं। थुनाग उपमंडल में कुकलाह में भी रात को बादल फटने से आई बाढ़ में करीब आठ घरों के साथ 24 लोग बह गए। मंगलवार शाम को 9 शव मिले हैं, जबकि 21 लोग लापता है। गोहर उपमंडल के स्यांज में सोमवार रात को बादल फटने से नौ लोगों के साथ दो घर बह गए। इनमें दो के शव मिले हैं। बाड़ा में एक घर के ढहने से छह लोग दब गए। इनमें से चार को रेस्क्यू कर लिया गया, जबकि दो के शव बरामद हुए हैं। बस्सी में फंसे दो लोगों को रेस्क्यू किया गया, जबकि परवाड़ा में मकान बहने के कारण एक ही परिवार के दो सदस्य लापता हैं। एक शव बरामद कर लिया गया है। करसोग में बादल फटने से पुराना बाजार नेगली पुल से चार लोग लापता हैं, जबकि एक शव बरामद कर लिया गया है। यहां छह घरों को नुकसान पहुंचा है। एनडीआरएफ ने लापता लोगों की खोज के लिए सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। टिकरी प्रोजेक्ट से करीब दो दर्जन लोग रेस्क्यू किए गए हैं। केलोधार में घर ढहने के कारण फंसे आठ लोगों को रेस्क्यू किया गया। लस्सी मोड़ में एक कार व रैल चौक में चार मवेशी बह गए।

दोनों इंजन फेल होने से हुआ था अहमदाबाद में विमान हादसा!

» फ्लाइट सिमुलेटर पर जांच से तह तक पहुंचने की कवायद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अहमदाबाद में एअर इंडिया विमान हादसे को दो हफ्ते से ज्यादा का समय बीत चुका है और जांचकर्ता इस बात का पता लगाने में जुटे हैं कि इस हादसे की वजह क्या रही। एअर इंडिया के पायलटों ने हादसे की वजह जानने के लिए फ्लाइट सिमुलेटर पर भी जांच की। इस जांच में पता चला है कि संभवत: विमान के दोनों इंजन फेल होने की वजह से विमान क्रैश हुआ होगा।

जांच के दौरान एयरलाइन के पायलटों ने फ्लाइट सिमुलेटर में विमान के उड़ान के दौरान के विभिन्न पैरामीटर्स को फिर से दोहराया, जिसमें लैंडिंग गियर की स्थिति और विंग फ्लैप को वापस खींचना शामिल था। इस जांच में पाया गया कि केवल इन सेटिंग्स की वजह से हादसा नहीं हुआ। पिछली कुछ जांच में पता चला है कि विमान के क्रैश होने से कुछ सेकंड पहले ही आपातकालीन पावर टरबाइन भी चालू की गई थी, जिससे पता चलता है कि तकनीकी खराबी के चलते विमान क्रैश हुआ। हादसे की आधिकारिक जांच चल रही है, जिसका नेतृत्व विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो या एएआईबी द्वारा की जा रही है। फ्लाइट सिमुलेटर जांच आधिकारिक जांच से अलग हुई। इस जांच में हादसे के संभावित कारण जानने की कोशिश की गई। फ्लाइट सिमुलेटर एक डिवाइस या सॉफ्टवेयर है, जिसमें विमान की उड़ान जैसी स्थिति बनाई जाती है। फ्लाइट सिमुलेटर का इस्तेमाल पायलटों की ट्रेनिंग, विमान के डिजाइन और रिसर्च आदि में इस्तेमाल किया जाता है। इसमें एयरक्राफ्ट कंट्रोल सिस्टम, फ्लाइट डायनामिक्स और विमान उड़ाने जैसा अनुभव होता है, जिससे सुरक्षित तरीके से विमान उड़ाने की ट्रेनिंग की जा सकती है।

यूपी में नेम प्लेट पर फिर विवाद

» सपा ने योगी सरकार को घेरा, कर्मियों की पहचान को लेकर उनकी पैंट उतारे जाने पर भड़के विपक्षी नेता

» एसटी हसन बोले- ऐसा करने वाले और पहलगाम के आंतिकयों में अंतर नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में दुकानों पर नेम प्लेट लगाने को लेकर फिर बवाल मच गया है। सपा समेत कई विपक्षी पार्टियों ने भाजपा व योगी सरकार पर जमकर हमला बोला है। समाजवादी पार्टी के पूर्व सांसद एसटी हसन ने उत्तर प्रदेश स्थित मुजफ्फरनगर में एक होटल में कर्मियों की पहचान को लेकर उनकी पैंट उतारे जाने के मामले में बयान दिया था।

उन्होंने कहा था कि ऐसा करने वाले और पहलगाम के आंतिकयों में अंतर नहीं है। अब हसन ने अपने बयान पर सफाई दी है। हसन ने कहा कि मुझे नेम प्लेट पर सरकार के आदेश पर एतराज नहीं है लेकिन मुजफ्फरनगर में जो हुआ, उसकी जांच हो और एक्शन लिया जाए। अपने पुराने बयान के संदर्भ में एसटी हसन ने कहा कि उसे तोड़ मरोड़ कर पेश किया गया है। हसन ने कहा कि मैंने तो खुलकर कहा कि एक आदमी चार लोगों को लेकर जाकर दुकानों में लोगों की चेकिंग कर रहा है, उनको ये अधिकार दिया किसने है।

इस तरह से जो चेकिंग की जा रही है उससे दूरियां बढ़ेंगी : हसन

पूर्व सांसद एसटी हसन ने कहा कि सरकार ने नेम प्लेट लगाने का आदेश दिया। हमको इससे एतराज नहीं है। हमें पहचान छिपाकर काम नहीं करना चाहिए लेकिन अगर नियम को जनता लागू करने लगेगी, तो क्या देश में हिंदू मुस्लिम के बीच अंतर नहीं बढ़ेगा। इस तरह से जो चेकिंग जा रही है उससे दूरियां बढ़ेंगी। सपा नेता ने कहा कि नाम बदल कर कारोबार करना भी उचित नहीं है। किसी को धोखा देकर कारोबार न करें। इस्लाम इसकी इजाजत नहीं देता। हसन ने कहा कि थोड़े से वोट की खातिर, ऐसे हालत न पैदा किए जाएं कि देश में लोगों के बीच दूरियां बढ़ें। बता दें कांवड़ यात्रा पर धामी सरकार ने आदेश जारी किया है. इसमें कहा गया है कि खाने पीने की दुकानों पर मालिक का नाम अनिवार्य है। लाइसेंस और पहचान पत्र दिखाना जरूरी होगा. बिना नाम और लाइसेंस वाली दुकानें बंद रहेंगी।कांवड़ रूट पर निगरानी अभियान चलाया जाएगा. कानूनी कार्रवाई और 2 लाख रुपये तक का जुर्माना लगेगा। उधर, यूपी में योगी सरकार ने कहा है कि ढाबा और रेस्टोरेंट में मालिक और मैनेजर का नेमप्लेट जरूरी है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **महाराष्ट्र कार्यालय**:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।